https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
शुक्रवार, 27 नवम्बर 2026
वर्ष 19 अंक 165
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

अधिकतम : 26° से.
न्यूनतम : 12° से.

www.epaperjantaunion.com
jantaunion@gmail.com



28 एवं 29 नवंबर को अभियान दिवसों में ...- 3 | संविधान हमारा गौरव और लोकतंत्र हमारी...-8

सार संक्षेप

अगर हसीना को कोई नुकसान पहुँचा... पूर्व पेंटागन अधिकारी की बांग्लादेश पीएम रहमान को चेतावनी

वाशिंगटन (जीएनएस)। शेख हसीना 16 दिसंबर को बांग्लादेश लौटने की योजना बना रही हैं, इसलिए पेंटागन के एक पूर्व अधिकारी ने तारिक रहमान सरकार को चेतावनी दी है कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री को कोई नुकसान पहुंचता है, तो इसके लिए पूरी तरह से वही सरकार जिम्मेदार होगी। न्यूयॉर्क में बांग्लादेश का भविष्य विषय पर आयोजित एक सेमिनार में बोलते हुए, माइकल रुबिन ने भारत से भी आग्रह किया कि वह अपनी बात पर अडिग रहे और बांग्लादेशी अधिकारियों के साथ कोई समझौता न करे। 2002 से 2004 के बीच पेंटागन में काम कर चुके रुबिन ने कड़े शब्दों में कहा प्रधानमंत्री (तारिक) रहमान और अन्य लोगों को पहले ही बता देना चाहिए कि अगर शेख हसीना को खरोंच भी आती है, तो इसके लिए सिर्फ और सिर्फ वे ही जिम्मेदार होंगे।

चीन में माँ समेत 24 रिश्तेदार लापता, सीयूएस निदेशक ने जिनेवा में यूएन की जवाबदेही पर उठाए सवाल

बीजिंग (जीएनएस)। सेंटर फॉर उइघुर स्टडीज़ (सीयूएस) के कार्यकारी निदेशक, अब्दुलहकीम इदरीस ने चीन में उइघुर लोगों के मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि 2017 से उनके परिवार के 24 सदस्य, जिनमें उनकी माँ भी शामिल हैं, लापता हैं। सीयूएस द्वारा एक्स (ट्विटर) पर साझा की गई एक पोस्ट के अनुसार, इदरीस ने 25 नवंबर 2026 को जिनेवा में आयोजित व्यापार और मानवाधिकार पर 15वें संयुक्त राष्ट्र फोरम के दौरान यह मुद्दा उठाया। यह फोरम व्यापार और मानवाधिकार पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के व्यापार और मानवाधिकार अनुभाग के प्रमुख मौरिसियो लाज़ाला से बात करते हुए, इदरीस ने पूछा कि अगस्त 2022 में शिनजियांग में मानवाधिकारों की स्थिति पर अपनी रिपोर्ट जारी करने के बाद, कार्यालय ने क्या ठोस कदम उठाए हैं। इस महत्वपूर्ण रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया था कि चीन द्वारा उइघुर और अन्य मुख्य रूप से मुस्लिम समूहों को मनमाने ढंग से और भेदभावपूर्ण तरीके से हिरासत में लेना, अंतरराष्ट्रीय अपराधों—जिसमें मानवता के विरुद्ध अपराध भी शामिल हैं।

यूएस हाऊस ने चीन के स्कैम सेंटरों पर कसा शिकंजा, बनेगी फेडरल टॉस्क फोर्स

दक्षिण-पूर्व एशिया (जीएनएस)। अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने दक्षिण-पूर्व एशिया में चल रहे चीन से जुड़े स्कैम सेंटरों पर नकेल कसने के लिए एक कानून पारित किया है। यह कदम हाउस सिलेक्ट कमिटी ऑन द चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा की गई एक द्विदलीय (दोनों पार्टियों की संयुक्त) जांच के बाद उठाया गया है, जिसमें साइबर धोखाधड़ी, मानव तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्कों का पर्दाफाश हुआ था। सिलेक्ट कमिटी ऑन चाइना की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाउस ने डिसमेंटल फॉरेन स्कैम सिंडिकेट्स एक्ट पारित किया है।

संसद सत्र फिर बुलाने की सिफारिश, लोकसभा की 30 नवंबर और राज्यसभा की 2 दिसंबर को बैठक



नई दिल्ली (जीएनएस)। केंद्र सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति से अनुरोध किया है कि वे क्रमशः सोमवार, 30 नवंबर 2026 को लोकसभा और बुधवार, 2 दिसंबर 2026 को राज्यसभा की बैठकें फिर से बुलाएं, ताकि आवश्यक सरकारी कामकाज निपटाया जा सके। दोनों सदनों की कार्यवाही 3 दिसंबर 2026 को समाप्त हो सकती है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट किया कि सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति से अनुरोध किया है कि वे क्रमशः सोमवार, 30 नवंबर 2026 को लोकसभा और बुधवार, 2 दिसंबर 2026 को राज्यसभा की बैठकें फिर से बुलाएं, ताकि जरूरी सरकारी कामकाज निपटाए जा सकें। कामकाज की जरूरतों को देखते हुए, दोनों सदनों की बैठकें 3 दिसंबर 2026 को समाप्त हो सकती हैं।

केंद्र सरकार ने आवश्यक सरकारी कामकाज निपटाने के लिए लोकसभा की बैठक 30 नवंबर और राज्यसभा की बैठक 2 दिसंबर को फिर से बुलाने का अनुरोध किया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के अनुसार दोनों सदनों की कार्यवाही 3 दिसंबर को समाप्त हो सकती है।

केंद्र सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति से अनुरोध किया है कि वे क्रमशः सोमवार, 30 नवंबर 2026 को लोकसभा और बुधवार, 2 दिसंबर 2026 को राज्यसभा की बैठकें फिर से बुलाएं, ताकि आवश्यक सरकारी कामकाज निपटाया जा सके। दोनों सदनों की कार्यवाही 3 दिसंबर 2026 को समाप्त हो सकती है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट किया कि सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति से अनुरोध किया है कि वे क्रमशः सोमवार, 30 नवंबर 2026 को लोकसभा और बुधवार, 2 दिसंबर 2026 को राज्यसभा की बैठकें फिर से बुलाएं, ताकि जरूरी सरकारी कामकाज निपटाए जा सकें। कामकाज की जरूरतों को देखते हुए, दोनों सदनों की बैठकें 3 दिसंबर 2026 को समाप्त हो सकती हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण पर कानून ला सकती है। रिजिजू की घोषणा में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि कौन से विधेयक पेश किए जाएंगे। 13 अगस्त को दोनों सदनों के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद से मानसून सत्र 100 दिनों से अधिक समय से खुला हुआ है। किसी भी सदन का सत्र सत्रावसान नहीं किया गया है।

इस बीच, इस बात को लेकर अटकलें जारी हैं कि क्या इस साल संसद का शीतकालीन सत्र होगा या नहीं। अतीत में चार ऐसे मौके आए हैं—1975, 1979, 1984 और 2020 में—जब कोई शीतकालीन सत्र आयोजित नहीं हुआ था।

साइप्रस लेगा भारत से ब्रह्मोस, बौखलाए तुर्किए ने यूएन को लिखी चिट्ठी



साइप्रस (जीएनएस)। वैसे तो तुर्किए भारत के खिलाफ पाकिस्तान की हरकतों और बयानबाजी में उसके साथ खड़ा दिखाई देता है। पाकिस्तान को समर्थन देता है। उसके साथ अपने सैन्य रिश्ते मजबूत करता है। लेकिन जब भारत और साइप्रस अब एक दूसरे के करीब आ रहे हैं। जब दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ रहा है तो उसी तुर्किए को इससे बड़ी परेशानी हो रही है। परेशानी इतनी तुर्किए टर्की ने भारत की ब्रह्मोस मिसाइल का मामला सीधे संयुक्त राष्ट्र में उठा दिया है। भारत की ब्रह्मोस मिसाइल अब टर्की की चिंता का विषय बन गई है। तुर्किए ने यूएन को चिट्ठी लिखकर साइप्रस की बढ़ती सैन्य ताकत पर सवाल उठाए हैं और इस चिट्ठी में भारत और साइप्रस के बीच ब्रह्मोस मिसाइल की संभावित खरीद को लेकर हुई बातचीत का भी जिक्र किया है। दरअसल इस पूरी कहानी के पीछे साइप्रस का वो पुराना विवाद है जो दशकों से तुर्किए और ग्रीस के बीच तनाव की वजह बना हुआ है। 2 नवंबर 2026 को तुर्किए के संयुक्त राष्ट्र में स्थाई प्रतिनिधि अहमद यदि ने यूएन महासचिव को एक पत्र भेजा।

संविधान दिवस पर पीएम मोदी ने कहा, महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण को कोई नहीं रोक सकता



नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संविधान निर्माण में महिलाओं के योगदान का जिक्र करते हुए विधायी निकायों में महिलाओं की अधिक भागीदारी की वकालत की। साथ ही, उन्होंने विपक्ष पर महिलाओं के आरक्षण से जुड़े कानूनों को रोकने का आरोप लगाया। संविधान दिवस के अवसर पर अपने संदेश में, पीएम मोदी ने कहा कि देश की संवैधानिक यात्रा उन महिलाओं को याद किए बिना अधूरी रहेगी, जिन्होंने इसे आकार देने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में जो हुआ—जब संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने वाला कानून पास नहीं हो सका—वह शर्म की बात है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संविधान निर्माण में महिलाओं के योगदान का जिक्र करते हुए विधायी निकायों में महिलाओं की अधिक भागीदारी की वकालत की। साथ ही, उन्होंने विपक्ष पर महिलाओं के आरक्षण से जुड़े कानूनों को रोकने का आरोप लगाया। संविधान दिवस के अवसर पर अपने संदेश में, पीएम मोदी ने कहा कि देश की संवैधानिक यात्रा उन महिलाओं को याद किए बिना अधूरी रहेगी, जिन्होंने इसे आकार देने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में जो हुआ—जब संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने वाला कानून पास नहीं हो सका—वह शर्म की बात है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे संविधान की यात्रा उन असाधारण महिलाओं को पहचाने बिना अधूरी रहेगी, जिन्होंने इसे आकार देने में मदद की। लेकिन इस साल की शुरुआत में जो कुछ हुआ, वह हमें शर्मिंदा करने वाला है।

10 किमी दूर से ड्रोन मार गिराएगा भार्गवास्त्र, पोकरण में हुआ सफल ट्रायल



पोकरण (जीएनएस)। भारत ने राजस्थान के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भार्गवास्त्र के विकास परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। यह देश का पहला स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और विकसित किया गया दो-स्तरीय, वाहन पर लगा काउंटर-स्वार्म ड्रोन सिस्टम है। आधुनिक युद्ध में ड्रोन हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में भारत की वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएएल) द्वारा विकसित इस प्रणाली का परीक्षण 20 से 24 नवंबर के बीच किया गया। इसे दुश्मन के ड्रोन्स, खासकर एक साथ मिलकर (स्वार्म के रूप में) हमला करने वाले कई ड्रोन्स का मुकाबला करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें एक ही समय में हवा में मौजूद कई लक्ष्यों को निशाना बनाने की क्षमता है। भार्गवास्त्र एक मोबाइल, मल्टी-लेयर्ड रक्षा प्रणाली है, जिसे दुश्मन के ड्रोन, हथियारों से लैस मानवरहित हवाई वाहनों, लोइटरिंग म्यूनिशन और स्वायत्त ड्रोन झुंडों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

संविधान हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा और देश की एकता एवं अखंडता का मजबूत आधार: केशव प्रसाद मौर्य



लखनऊ जयूसं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमारा संविधान देश के लोकतंत्र की आत्मा और भारत की एकता एवं अखंडता का मजबूत आधार है। भारतीय संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, अवसर और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया है। संविधान की मूल भावना सामाजिक न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधारित है। हमें संविधान में निहित आदर्शों एवं मूल्यों को अपने जीवन और व्यवहार में आत्मसात करना चाहिए'।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य आज मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन, लखनऊ में संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठ किया तथा संविधान दिवस की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ. भीमराव आम्बेडकर मूर्ति विकास योजना के अंतर्गत प्रदेश में डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमाओं एवं उनसे जुड़े स्थलों के सौंदर्यीकरण और संरक्षण कार्यों का शुभारंभ किया गया। साथ ही प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री मौर्य ने संविधान के शिल्पी भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर तथा संविधान सभा की सभी महान विभूतियों को नमन करते हुए कहा कि बाबासाहेब ने ऐसा संविधान दिया, जिसने समाज के प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को अपनी प्रतिभा, परिश्रम और योग्यता के बल पर सर्वोच्च पद तक पहुंचने का अवसर प्रदान किया। आज देश की राष्ट्रपति एक आदिवासी परिवार से आने वाली महिला हैं और गरीब परिवार में जन्मे चाय बेचने वाले के बेटे लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। यह भारतीय संविधान की समावेशी भावना और लोकतंत्र की ताकत का प्रमाण है।

वीएस लोकल अतांकवाद का सफाया होने के बाद पाकिस्तान ने चली नई चाल, 35 आतंकियों को कश्मीर भेजने की फिराक में

जम्मू-कश्मीर (जीएनएस)। कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है, जिसकी कल्पना पाकिस्तान ने कभी नहीं की होगी। करीब 37 वर्षों में पहली बार घाटी में पाकिस्तान के इशारे पर बंदूक उठाने वाला कोई स्थानीय आतंकवादी शेष नहीं बचा है। आतंकवाद की उस नर्सरी को करारा झटका लगा है, जिसे पाकिस्तान ने दशकों तक कश्मीर की जमीन पर खूनखराबे और अलगाववाद की खाद-पानी से सींचने की कोशिश की। लतीफ भट के मारे जाने के साथ ही घाटी में सक्रिय आखिरी स्थानीय आतंकवादी का भी अंत हो गया। देखा जाये तो यह पाकिस्तान की उस साजिश के लिए बड़ा झटका है, जिसके दम पर वह कश्मीर को अशांत रखने का सपना देखता रहा है। आंकड़े इस बदलाव की पूरी कहानी बयां करते हैं। वर्ष 2018 में 196 स्थानीय युवा आतंकवादी संगठनों में शामिल हुए थे। 2021 में यह संख्या 146, 2022 में 121 और 2023 में घटकर महज 19 रह गई। वर्ष 2024 में केवल चार और 2025 में सिर्फ एक स्थानीय युवक आतंकवाद के रास्ते पर गया।

ओडीओपी और एमएसएमई से यूपी में बने 4 करोड़ रोजगार, 9.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिली



लखनऊ (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में पहले सरकारी नौकरियां केवल रिश्वत या राजनीतिक सिफारिशों के जरिए ही मिलती थीं। उन्होंने एक चाचा-भतीजे की जोड़ी पर निशाना साधते हुए (जो संभवतः समाजवादी पार्टी के नेताओं अखिलेश यादव और शिवपाल यादव की ओर इशारा था) दावा किया कि भाजपा सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में 9.5 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं। आदित्यनाथ जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 25 लाख टैबलेट बांटने के कार्यक्रम की शुरुआत के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार 26 जनवरी तक, कार्यक्रम में मौजूद 55,000 युवाओं की संख्या से दोगुने से भी अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेगी।

वर्तमान में देखें तो योगी सरकार का लक्ष्य केवल नौकरियां देना ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश को एक ऐसी अर्थव्यवस्था में बदलना है, जहां सरकारी भर्तियां, निजी उद्यम, विनिर्माण और उद्यमिता मिलकर समृद्धि और रोजगार को बढ़ावा दें। 2017 से, योगी आदित्यनाथ सरकार ने कई मोर्चों पर एक साथ इस रणनीति को अपनाया है। रोजगार के आंकड़े बताते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र की भर्तियों, निजी उद्यमों, स्वास्थ्य और औद्योगिक निवेश का एक व्यापक इकोसिस्टम तैयार हो रहा है। सरकार के अनुसार, 2017 से अब तक लगभग 9.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्य और निजी उद्यमों के माध्यम से चार करोड़ से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

ये दोनों आंकड़े राज्य की रणनीति के मुख्य आधार हैं: सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार का विस्तार करना और साथ ही निजी अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर पैदा करना। उत्तर प्रदेश में लगभग 96 लाख स्वस्थ इकाइयां हैं, जो इसे भारत के सबसे बड़े स्वस्थ इकोसिस्टम में से एक बनाती हैं। ये उद्यम कपड़ा, चमड़ा, कालीन, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, इंजीनियरिंग, धातु उत्पादों और कई अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं।

बीजेपी शासित सभी राज्यों में लागू होगा यूसीसी, संविधान दिवस पर गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा ऐलान



नई दिल्ली (जीएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को घोषणा की कि भाजपा शासित सभी राज्य समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानून धर्म के आधार पर नहीं बनाए जाने चाहिए। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, शाह ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने यूसीसी को राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में शामिल किया था और धर्म से परे, सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून की परिकल्पना की थी। अमित शाह ने कहा कि मैं आज उनको बताना चाहता हूं कि यूसीसी जो है, हमारे संविधान निर्माताओं ने हमारे मार्गदर्शक सिद्धांतों में यूसीसी को लिया था। हर एक नागरिक को धर्म से अलग, एक ही कानून से जीने का अधिकार इस देश में मिलना चाहिए, चाहे वो हिंदू हो, सिख हो, मुस्लिम हो, ईसाई हो या पारसी हो।

केंद्र सरकार ने

पीएम-एबीएचआईएम के तहत 19,983 स्वास्थ्य इकाइयों को केंद्र की मंजूरी



नई दिल्ली (जीएनएस)। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत स्वास्थ्य ढांचे से जुड़ी 19,983 इकाइयों को मंजूरी दी, इनमें 2,151 ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाइयां, 744 एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं और 631 क्रिटिकल केयर ब्लॉक शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने बेंगलुरु में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और पीएम-एबीएचआईएम पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय के जरिए सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे, रोगों की निगरानी और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि 25 अक्टूबर 2021 को शुरू किए गए पीएम-एबीएचआईएम के लिए 64,180 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। अधिकारी ने बताया कि इस मिशन का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करना, रोगों की निगरानी और संक्रमण फैलने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की क्षमता बढ़ाना, महामारी से संबंधित अनुसंधान को बढ़ावा देना तथा आपात स्थितियों से निपटने की तैयारी और जैव सुरक्षा को बेहतर बनाना है। मिशन के तहत देशभर में स्वास्थ्य ढांचे से जुड़ी 19,983 इकाइयों को मंजूरी दी गई है। इस मिशन के तहत जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके लिए पहले भवनों की सुविधा से वंचित स्थानों पर 11,001 आयुष्मान आरोग्य मंदिर-उप स्वास्थ्य केंद्र और शहरी क्षेत्रों में 5,456 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए जा रहे हैं। श्रीवास्तव ने बताया कि मुफ्त दवा और जांच पहल के माध्यम से इन केंद्रों पर जरूरी दवाओं और जांच सेवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। इसके अलावा, 2,151 ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाइयों और जिला स्तर पर 744 एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं की स्थापना के जरिए जांच सुविधाओं और रोगों की निगरानी के नेटवर्क को भी मजबूत किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, मिशन के तहत 631 क्रिटिकल केयर ब्लॉक और 48 वायरस अनुसंधान एवं जांच प्रयोगशालाओं को सहायता दी गई है। इससे समय पर बीमारियों की पहचान, उनके उपचार, गंभीर मरीजों की देखभाल और अनुसंधान की क्षमता बढ़ाने में मदद मिली है।

संसद की बैठकें फिर बुलाई गईं, महिला आरक्षण और परिसीमन संशोधन विधेयक लाने की तैयारी

नई दिल्ली (जीएनएस)। सरकार ने महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने के प्रयास की संभावना के बीच मानसून सत्र के लिए लोकसभा की बैठक 30 नवंबर और राज्यसभा की बैठक दो दिसंबर से फिर से बुलाने का फैसला किया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी और कहा कि दोनों सदनों की बैठक तीन दिसंबर को समाप्त हो सकती है। रीजीजू ने 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन से सदनों की बैठक फिर से बुलाने का अनुरोध किया है। संसद के मानसून सत्र के तहत दोनों सदनों की बैठक बीते 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई थी, हालांकि उसके बाद सत्रावसान नहीं हुआ। सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा की बैठक फिर से बुलाने का फैसला उस वक्त किया है जब यह माना जा रहा है कि वह सरकार संविधान संशोधन विधेयक और संबंधित महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पारित कराने की तैयारी में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं हो पाने के लिए विपक्ष के एक दल को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि महिलाओं को न्याय दिलाने से कोई ताकत नहीं रोक सकती।

झोलाछाप डॉक्टरों व अवैध अस्पतालों पर कसें शिकंजा : डीएम

■ जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

■ कन्या भ्रूण हत्याओं पर रोकने को हो अल्ट्रासाउंड सेंटरों की नियमित चेकिंग



जनता यूनियन - मथुरा । जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में ओपीडी, आईपीडी, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, पैथोलॉजी, जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, आरबीएसके, परिवार नियोजन, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, 108 व 102 एंबुलेंस सेवा, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आयुष्मान भारत योजना, नियमित टीकाकरण, जन्म-मृत्यु पंजीकरण और पीसीपीएनडीटी समेत विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने पीसीपीएनडीटी कमेटी को कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए अल्ट्रासाउंड सेंटरों की नियमित चेकिंग करने और अनियमितता मिलने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए। वहीं, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधावल्लभ को अवैध व अनाधिकृत अस्पतालों और झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

अस्पतालों की व्यवस्था और समयबद्ध सेवाओं पर जोर

जिलाधिकारी ने सभी सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों को परिसर की साफ-सफाई बनाए रखने और समय पर अस्पताल पहुंचने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को तत्काल बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें और लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। सीएमओ को अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए।

प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी/सीएचसी) में उपचार व्यवस्था मजबूत करने के साथ मरीजों के तीमारदारों के बैठने के लिए कुर्सी-बेंच, आरओ पेयजल, आवश्यक दवाओं और चिकित्सीय उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि लोगों को भटकना न पड़े।

ऋण मोचक कुंड में डूबकर छह वर्षीय मासूम की मौत

■ नोएडा से परिवार के साथ आया था ब्रज में घूमने



जनता यूनियन - मथुरा । गिरिराज महाराज की परिक्रमा और दर्शन की अभिलाषा लेकर गोवर्धन आए ग्रेटर नोएडा के एक परिवार की खुशियां उस समय चीख-पुकार और मातम में बदल गईं, जब उनका छह वर्षीय मासूम बेटा कुंड में डूब गया। काफी तलाश के बाद बच्चे का शव ऋण मोचक कुंड में मिला। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जिस धार्मिक यात्रा पर परिवार हंसी-खुशी निकला था, उसका अंत कभी न भूलने वाले दर्द के रूप में हुआ।

जानकारी के अनुसार ग्रेटर नोएडा निवासी देवराज शर्मा अपने परिवार के साथ गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने गोवर्धन आए थे। परिवार ने पहले बड़ी परिक्रमा पूरी की। इसके बाद छोटी परिक्रमा के दौरान थकान महसूस होने पर सभी लोग बिजलीघर के सामने स्थित पार्क में बैठकर आराम करने लगे। इसी बीच उनका छह वर्षीय बेटा रजत अचानक परिजनों की नजरों से ओझल हो गया। कुछ देर तक बच्चा दिखाई नहीं दिया तो परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू कर दी।

मासूम के लापता होने से परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसी दौरान तलाश करते हुए ऋण मोचक कुंड में बच्चे का शव दिखाई दिया। परिजन तत्काल उसे कुंड से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक अमित के अनुसार बच्चे को अस्पताल मृत अवस्था में लाया गया था। मासूम की मौत की खबर सुनते ही माता-पिता बदहवास हो गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हृदयविदारक घटना से गोवर्धन क्षेत्र में भी शोक का माहौल बन गया। गिरिराज महाराज की परिक्रमा के लिए आए परिवार के साथ हुए इस हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया।

न्यूज ब्रीफ

वृंदावन परिक्रमा मार्ग में संजीव कृष्ण ठाकुर जी द्वारा किया भंडारे का आयोजन



जनता यूनियन - मथुरा । वृंदावन परिक्रमा मार्ग में स्थित श्री राधा माधव धाम पर संस्थापक एवं अंतर्राष्ट्रीय भागवताचार्य श्रद्धेय श्री संजीव कृष्ण ठाकुरजी की प्रेरणा से भंडारे का आयोजन किया गया। इसी प्रकार अनेक प्रकार से संजीव कृष्ण ठाकुर जी द्वारा अन्य प्रकल्पों के द्वारा सेवा भंडारा कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं।

परिक्रमा करने वाले अनेक श्रद्धालु भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर आनंद प्राप्त किया। भंडारा वितरण कार्यक्रम मे सत्यभान शर्मा बाबूजी,राजीव शर्मा,मोहन लाल शर्मा, अरविन्द तिवारी, आशीष , प्रवीन् घोश् आदि का सहयोग रहा।

सॉफ्टबॉल क्रिकेट चैंपियनशिप में जम्मू कश्मीर एवं झारखंड ने लहराया जीत का परचम



जनता यूनियन - मथुरा । अमरनाथ शिक्षण संस्थान के खेल मैदान पर आयोजित प्रथम सब जूनियर राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट चैंपियनशिप में फाइनल मैच बालिका वर्ग में जम्मू कश्मीर की क्रिकेट टीम ने एवं बालक वर्ग में झारखंड की क्रिकेट टीम ने जीत कर चैंपियन ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया।

14 वर्ष की आयु तक के बालक एवं बालिका क्रिकेट खिलाड़ियों की यह चैंपियनशिप जिला सॉफ्टबॉल क्रिकेट एसोसिएशन मथुरा द्वारा आयोजित की गई। अंत में सभी अतिथियों , खिलाड़ियों, टीम मैनेजर का महेंद्र सिंह जी राजपूत ने सम्मान एवं आभार प्रकट किया।उन्होंने सफल आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश सॉफ्टवेयर क्रिकेट एसोसिएशन को और अमरनाथ डिग्री गर्ल्स कॉलेज के लिए विशेष तौर पर धन्यवाद दिया । अंत में मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष श्री विश्वदीप सिंह ने सभी खिलाड़ियों को, विजेता टीम और उप विजेता टीम को अपनी शुभकामनाएं देते हुए अगली चैंपियनशिप के लिए तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। उत्तर प्रदेश सॉफ्ट बॉल क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अनिल लहरी एवं डॉ मांडवी राठौर ने समारोह का संचालन किया। सी पी सारस्वत, असलम खान, वाई पी शर्मा ने आयोजन का संयोजन किया।

आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं महाविद्यालय का हुआ भूमि पूजन

जनता यूनियन - मथुरा । दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के तत्वावधान में गुरुवार को गऊ ग्राम परखम स्थित दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के परिसर में आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं महाविद्यालय का भूमि पूजन किया गया।

मीडिया प्रभारी कीर्ति पी0 कुमार ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार गुरुवार को प्रातः वेला में वेद मंत्रोच्चारण के मध्य आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं महाविद्यालय की स्थापना और कर्मचारियों के लिए टू बीएचके आवासीय भवन निर्माण के लिए समिति पदाधिकारियों ने भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर प्रसाद वितरण किया गया। विदित हो कि 28 नवंबर को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गौ संवर्धन, आयुर्वेद, अनुसन्धान और शिक्षा को समर्पित विभिन्न प्रमुख प्रकल्पों का विमोचन, लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के मंत्री हरी शंकर शर्मा, संजय, डॉ0 कैलाश सारस्वत, नरेंद्र पाठक, कमल कौशिक, जगदीश, डॉ0 राम सारस्वत आदि सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अधिकारी, स्वयंसेवक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'संविधान दिवस पर मथुरा में गूंजा संविधान की प्रस्तावना का संदेश'

'हजारों विद्यार्थियों ने किया प्रस्तावना का सामूहिक वाचन'



जनता यूनियन - मथुरा । भारतीय संविधान के प्रति सम्मान, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार एवं नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से संविधान दिवस के अवसर पर जनपद मथुरा में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा के तत्वावधान में आयोजित इन कार्यक्रमों में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों एवं हजारों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

संविधान दिवस के अवसर पर संस्कार पब्लिक स्कूल, महोली रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, मथुरा में संविधान संवाद अभियान के अंतर्गत ''एक स्वर, एक संविधान'' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय जनपद न्यायाधीश श्री विकास कुमार ने की।

कार्यक्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अनीता सिंह द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। इसके उपरांत उपस्थित हजारों छात्र-छात्राओं, न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं अन्य प्रतिभागियों ने एक स्वर में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। एक साथ गूंजते प्रस्तावना के शब्दों ने न्याय, स्वतंत्रता, समता एवं बंधुता के संवैधानिक आदर्शों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

इस अवसर पर माननीय जनपद न्यायाधीश श्री विकास कुमार ने संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संविधान में निहित मूल्यों एवं आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा अधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों का भी पूरी निष्ठा से पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान जनपद न्यायाधीश द्वारा नशे की बढती प्रवृत्ति एवं उसके दुष्परिणामों पर भी चर्चा की गई। विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूक करते हुए नशे से सदैव दूर रहने का संदेश दिया गया। युवाओं से अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों में लगाने तथा स्वयं नशे से दूर रहकर अपने परिवार एवं समाज को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया। इस बात पर जोर दिया गया कि स्वस्थ एवं नशामुक्त युवा ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं।

कार्यक्रम में अपर जिला जज अजय पाल सिंह, अरविन्द कुमार यादव, अनुराग शर्मा, सुरेन्द्र प्रसाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अनीता सिंह, अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) श्रीमती सुरभि श्री गुप्ता एवं श्रीमती अदिति सिंह, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) श्रीमती महिमा जैन, अतिरिक्त पीठासीन अधिकारी श्री लाल बहादुर, बार एसोसिएशन मथुरा के अध्यक्ष श्री राघवेन्द्र सिंह एवं सचिव श्री मनोज शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक श्री राघवेन्द्र सिंह, संस्कार पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष श्री आकाश सिंघल सहित विद्यालय के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पराविधिक स्वयंसेवक, पैनल अधिवक्ता, विभिन्न विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान का गायन किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन देश की एकता, अखंडता एवं संविधान के प्रति सम्मान की भावना के वातावरण में हुआ।

संविधान दिवस : बाल गृहों के देखभालकर्ताओं की क्षमता संवर्धन को हुई कार्यशाला

जनता यूनियन - मथुरा । संविधान दिवस के अवसर पर जिला प्रोबेशन कार्यालय एवं निर्मल इनिशिएटिव के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को बाल गृहों के देखभालकर्ताओं के क्षमता निर्माण हेतु आघत-संवेदी प्रशिक्षण कार्यशला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की शुरुआत संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक पाठ से हुई। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चंद्र ने संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया तथा उसमें उल्लिखित प्रत्येक पंक्ति और उसके महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान उन बच्चों के अधिकारों की रक्षा का एक सशक्त माध्यम है, जो कई बार अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं होते हैं। संविधान हमें न केवल अधिकार प्रदान करता है, बल्कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और उनके बेहतर भविष्य के लिए कार्य करने की शक्ति भी देता है। इसके पश्चात् कार्यशला का औपचारिक सत्र प्रारंभ हुआ, जिसका मुख्य विषय अभिव्यक्तिपरक कलाओं के माध्यम से आघत संवेदी समझ एवं सीख रहा। कार्यशाला का उद्देश्य बाल गृहों में कार्यरत देखभालकर्ताओं को बच्चों के व्यवहार, भावनात्मक आवश्यकताओं और उनके जीवन में घटित आघतपूर्ण अनुभवों के प्रति संवेदनशील बनाना तथा उनकी देखभाल में अधिक संवेदनशील, सहयोगात्मक और बाल-केंद्रित दृष्टिकोण विकसित करना था। इस पहल का उद्देश्य बाल गृहों में रहने वाले बच्चों के लिए ऐसी देखभाल व्यवस्था को प्रोत्साहित करना है, जहाँ उनकी गरिमा, भावनात्मक सुरक्षा, अधिकारों और व्यक्तिगत अनुभवों को प्राथमिकता दी जाए।

तीन दिसंबर को 12 केंद्रों पर होगी सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा

परीक्षा केन्द्रों के 500 मीटर दायरे में फोटो स्टेट और साइबर कैफे बंद रहेंगे

जनता यूनियन - मथुरा । उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज की ओर से आगामी 3 दिसंबर को आयोजित होने वाली सहायक अध्यापक (शहरी) प्राइमरी, बेसिक शिक्षा विभाग तथा सहायक अध्यापक संबंध प्राइमरी (अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय) की चयन परीक्षा को जनपद में निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और नकलविहीन संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने परीक्षा के लिए 12 केंद्र निर्धारित करते हुए प्रत्येक केन्द्र पर एक-एक सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की है। परीक्षा में 5160 अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि सहायक अध्यापक परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2:30 से शाम 4:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, गवर्नमेंट आईटीआई नरहौली, जैन इंटर कॉलेज, जवाहर विद्यालय इंटर कॉलेज, किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कॉलेज, किशोरी रमण इंटर कॉलेज, लक्ष्मण प्रसाद चतुर्वेदी आर्य कन्या इंटर कॉलेज, महाराजा अग्रसेन गर्ल्स इंटर कॉलेज, सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज, श्री चामुंडा देवी खंडेलवाल गर्ल्स इंटर कॉलेज और सुभाष इंटर कॉलेज को केंद्र बनाया गया है। इन परीक्षा केन्द्रों पर दोनों पालियों में जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि परीक्षा के दौरान केंद्रों के 500 मीटर की परिधि में फोटो स्टेट, प्रिंटिंग और साइबर कैफे की दुकानें बंद रहेंगी। जोनल मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, बिजली, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा समाप्त होने के बाद आयोग के निर्देशों के अनुसार उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य गोपनीय सामग्री को सुरक्षित तरीके से भेजने की व्यवस्था भी की गई है। परीक्षा की तैयारियों को लेकर गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया।

संविधान दिवस पर नेहरू इंटर कॉलेज में हुआ कार्यक्रम

■ प्रस्तावना का सामूहिक वाचन, क्विज प्रतियोगिता के जरिए विद्यार्थियों को किया जागरूक



पनवाड़ी, महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को नेहरू इंटर कॉलेज पनवाड़ी में विभिन्न शैक्षिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर संविधान के मूल आदर्शों, मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संविधान की महत्ता, नागरिकों के मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से संविधान विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए संविधान से जुड़े विभिन्न सवालों के जवाब दिए।

विद्यालय के प्रधानाचार्य हीरालाल वर्मा ने विद्यार्थियों को संविधान के महत्व से परिचित कराते हुए देश के जिम्मेदार नागरिक बनने और संवैधानिक मूल्यों का पालन करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर शिक्षक चंद्रशेखर पाल, कृष्णपाल सिंह, अंबुज पांडे, दीपचंद, वैदेही कुमार, ओमप्रकाश विश्वकर्मा सहित विद्यालय के समस्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में संविधान के प्रति जागरूकता, सम्मान और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

लोकतन्त्र की आत्मा है संविधान : प्रधानाचार्य



पनवाड़ी महोबा संवाददाता राम लखन सोनी । पं दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कॉलेज कनकुआ में संविधान दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें छात्र छात्राओं एवं स्टॉफ ने भारतीय संविधान से संबंधित महत्वपूर्ण बातों पर प्रकाश डाला।

संस्था के मीडिया प्रभारी सतीश मिश्रा ने बताया कि उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ एवं महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में जिला विद्यालय निरीक्षक प्रेमचन्द यादव एवं प्रधानाचार्य भानुप्रताप पीईएस के मार्गदर्शन में संस्था में संविधान संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

विधिक साक्षरता क्लब की नोडल उषा देवी सरोज की देखरेख में सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम के शुभारंभ में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर सभी ने संविधान की उद्देशिका का सामूहिक रूप से वाचन किया। तत्पश्चात रंगोली, भाषण, चित्रकला,क्विज आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता कर रहे प्रधानाचार्य भानुप्रताप ने संविधान के गठन की प्रक्रिया से सभी को अवगत कराते हुए कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है अतः इसका सम्मान और अनुसरण करना हमारा परम कर्तव्य है प्रवक्ता पूनम यादव ने संविधान की विषय वस्तु एवं उसके प्रमुख अंगों जैसे प्रस्तावना,मूल कर्तव्य,मौलिक अधिकारों के बारे में एवं प्रीती कन्नौजिया ने नीति निदेशक तत्व ,संसदीय शासन प्रणाली तथा संघात्मक शासन प्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए भारतीय संविधान में अन्य देशों के संविधान से ली गई मुख्य बातों के बारे में बताया।छात्र छात्राओं की ओर से छात्र अंकित ने मौलिक अधिकारों सत्यम ने संविधान की प्रस्तावना तथा सृष्टि प्रजापति ने मूल कर्तव्यों की व्याख्या की ।कार्यक्रम के अंत में सभी ने मूल कर्तव्यों एवं अधिकारों का पालन करने संबंधी शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन नोडल उषा देवी सरोज ने किया।

इस अवसर पर प्रवक्ता शिखा राणा, पूनम यादव, प्रीती कन्नौजिया,ज्योति राजपूत,दीपेन्द्र सिंह, सूरज सिंह, खेमचंद, सुरेश जयनारायण,शिवम,अंकित समेत छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

■ मॉडल इण्टर कॉलेज में संविधान दिवस पर हुए विभिन्न कार्यक्रम

चित्रकला में सुहानी और क्विज में अंकित अव्वल

इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में चित्रकला में सुहानी ने पहला स्थान प्राप्त किया तो रक्षा राजपूत और सोहनी क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहे, निबंध लेखन प्रतियोगिता में मोहिनी,अर्चना और रक्षा ने क्रमशः पहला दूसरा एवं तीसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि क्विज में अंकित प्रथम,रेहान मोहम्मद दूसरे एवं सत्यम तीसरे स्थान पर रहे।

28 एवं 29 नवंबर को अभियान दिवसों में भी मिलेगा मतदाता सूची में नाम जाँच ने एवं जुड़वाने का अवसर : उप जिला निर्वाचन अधिकारी

जनपद के 1741 बूथों पर आगामी विशेष अभियान दिवसों में भी बीएलओ रहेंगे उपस्थित



झांसी जयूसं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती पल्लवी मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण -2027 के अंतर्गत 28-29 नवंबर को जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान दिवस आयोजित किया जाएगा। इस दौरान बूथ लेवल अधिकारी आलेख्य मतदाता सूची एवं पर्यास संख्या में फार्मों (6, 7 एवं 8) के साथ सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक उपस्थित रहे। नागरिकों को अपने और परिवार के सदस्यों के नाम मतदाता सूची में जांचने तथा नाम न होने पर फॉर्म-6 भरकर पंजीकरण कराने के लिए जागरूक किया गया। उप जिलानिर्वाचन अधिकारी श्रीमती पल्लवी मिश्रा ने बताया कि यदि कोई नागरिक 21 एवं 22 नवंबर को आयोजित विशेष अभियान दिवस में किसी कारणवश अपने मतदेय स्थल पर नहीं पहुंच सके हैं, तो भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। आगामी 28 नवम्बर -शनिवार एवं 29 नवंबर -रविवार को भी विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। इन दिवसों पर नागरिक अपने मतदेय स्थल पर पहुंचकर बीएलओ से संपर्क कर मतदाता सूची में अपना एवं परिवार के सदस्यों का नाम जांच सकते हैं और नाम नहीं होने पर फॉर्म-6 भरकर जमा कर सकते हैं। मतदाता सूची में नाम दर्ज होना मतदान के लिए आवश्यक है, इसलिए सभी पात्र नागरिक को समय रहते अपना पंजीकरण सुनिश्चित कराना चाहिए। जनपद के 1741 बूथों पर आयोजित विशेष अभियान दिवस के दौरान मैं उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती पल्लवी मिश्रा ने सुझाव देते हुए कहा कि बूथों के निरीक्षण के दौरान अधिकारी पात्र नागरिकों, विशेषकर युवाओं एवं महिलाओं के पंजीकरण, बीएलओ के माध्यम से घर-घर संपर्क तथा 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं की पहचान की जानकारी अवश्य कर लें। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से छूटने न पाए और सभी लंबित प्रकरणों का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उप जिलानिर्वाचन अधिकारी ने जनपदवासियों से अनुरोध किया है कि वे आगामी 28 एवं 29 नवम्बर को आयोजित होने वाले विशेष अभियान दिवसों को सफल बनाने की मुहिम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें। मतदाता सूची में नाम की जांच ऑनलाइन भी की जा सकती है। इसके लिए नागरिक सेवा पोर्टल voters.eci.gov.in अथवा ECINET मोबाइल ऐप का उपयोग किया जा सकता है। नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 तथा मतदाता विवरण में संशोधन या स्थानांतरण के लिए फॉर्म-8 भर सकते हैं। विशेष अभियान दिवसों की प्रतीक्षा किए बिना निर्धारित अवधि में ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है। सभी पात्र नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित कर लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह द ग्रीन ग्राण्डयोर भगवन्तपुरा में आज

झांसी जयूसं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत जनपद में आज 27 नवम्बर, 2026 को द ग्रीन ग्राण्डयोर, स्पेस मून सिटी के सामने, भगवन्तपुरा, झांसी में 450 जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

कार्यक्रम कोसम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक शहरी को कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, मुख्य चिकित्साधिकारी को विवाह समारोह में सम्मिलित होने वाले जोड़ों एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिए आवश्यक चिकित्सा व्यवस्थाओं तथा एम्बुलेंस की व्यवस्था, नगर निगम को कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, जोड़ों के बैठने, उपहार सामग्री वितरण एवं मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि समस्त खण्ड विकास अधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों को अपने क्षेत्र के जोड़ों की पहचान कर उनकी उपस्थिति तथा उपहार सामग्री वितरण में सहयोग देना सुनिश्चित करेंगे। इसके अतिरिक्त जिला कार्यक्रम अधिकारी को जोड़ों के बैठने एवं जयमाला की समुचित व्यवस्था, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को मंच पर वीआईपी व्यवस्था, जिला युवा कल्याण अधिकारी को उपस्थिति काउंटर एवं सामग्री वितरण की व्यवस्था तथा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को निकाह से संबंधित जोड़ों की विधिवत निकाह व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, विद्युत, अग्निशमन, स्वच्छता, यातायात, भोजन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

बिना टिकट एवं अनियमित यात्रियों के विरुद्ध एम्बुश चेक अभियान

झांसी जयूसं। सहायक वाणिज्य प्रबंधक आर.के. वर्मा के नेतृत्व में डबरा रेलवे स्टेशन पर बिना टिकट एवं अनियमित यात्रियों के विरुद्ध विशेष एम्बुश चेक जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान के दौरान कुल 193 बिना टिकट, अनियमित यात्रा करने वाले तथा गंदगी फैलाने वाले यात्रियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 1,81,410 का जुर्माना वसूल किया गया। झांसी मंडल यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे सदैव वैध यात्रा टिकट लेकर यात्रा करें। इस प्रकार के विशेष जांच अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाते रहेंगे।

अलग- अलग स्थानों पर पांच लोगों की मौत

झांसी जयूसं। अलग - अलग स्थानों पर महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ के ग्राम विजयपुर निवासी अनिल कुमार की पत्नी रवीना अहिरवार कुएं पर पानी भर रही थी, तभी अचानक पैर फिसल गया जिससे वह कुएं में गिर गई थी। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से महिला को बेहोशी हालात में कुएं से बाहर निकाला गया। उपचार के लिए मेडिकल कालेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। वहीं टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम ककवारा निवासी गुलजारी लाल और रक्सा थाना क्षेत्र के ग्राम नयागांव निवासी जैन सिंह अलग- अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में घायल हो गए। उपचार के दौरान मेडिकल कालेज में दम तोड़ दिया। वहीं, समथर थाना क्षेत्र के ग्राम मगरौरा निवासी लालजी ने कतिपय कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उधर, मोंठ थाना क्षेत्र केग्राम बम्हरौली निवासी कल्लू की बेटी शिल्पी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

अन्तर विभागीय टी-20 कप में खेले गये मैंच



झांसी जयूसं। सीनियर रेलवे इंस्टिट्यूट झांसी के तत्वावधान में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित अन्तरविभागीय टी-20 कप के आज खेले गये मैच में एस.एण्डटी. वारीयर्स की टीम ने रेलवे टीम ग्वालियर को 7 विकेट से पराजित कर मैच अपने नाम किया। आज के मुख्य अतिथि वरिष्ठ मण्डल सिंगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर (समन्वय)सुश्री रश्मि गौतम एवं अुनभव पाण्डेय मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर ने खिलाडियो से परिचय प्राप्त कर एवं टॉस करा कर मैच की शुरुआत कराई। ग्वालियर की टीम ने पहले बल्लेबाज करते हुये 14.3 ओवरो में ही 91 रन पर आलआउट हो गई जिसमें गवालियर की तरफ से श्याम मीना ने 34 गेदों पर 1 छक्के और 6 चैको की मदद से 41 एवं मुकेश मीना ने 12 गेदो पर 10 रन की पारी खेली। एस एण्ड टी की ओर से पैनी गेदबाजी करते हुये उमेश मीना ने 21 देकर 6 विकेट हासिल किये जिससे ग्वालियर की टीम पूरी तरह लडखडा गई और मात्र 91 रन पर आल आउट हो गई। वही लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसएण्डटी की टीम की ओर से राजेन्द्र पाल ने 7 चैको की मदद से बेहतरीन पारी खेलते हुये 28 गेदों पर 42 एवं संजय यादव ने 12 व हेमन्त ने 13 रनो का योगदान कर अपनी टीम को आसान जीत दिला दी। गवालियर की तरफ से गेंदवाजी करते हुये केदार मीना ने अपनी टीम के लिए 2 विकेट व मोहित विस्वास ने 1 विकेट लिया। मैच के अन्त में अखिल भारतीय गहोई महासभा के महामंत्री श्री भरत सेठ ने उमेश मीना को 6 विकेट लेने पर उनको मैन आफ द मैच द्वारा पुरस्कृत किया। इस अवसर पर हाफिज खान, जितेन्द्र रायकवार, शरीफ खान, हिम्मत सिंह एवं टूर्नामेन्ट सचिव नीरज वर्मा जी उपस्थित रहे। कल सुबह 9:00 बजे से अकाउण्ट एवं इलैट्रिकल विभाग और दूसरा मैच वर्कशॉप वारियर एवं वर्कशॉव वैगन के मध्य दोपहर 1:00 बजे से खेला जायेगा यह जानकारी रेल संस्थान सचिव मुकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा दी गई।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मेधावी छात्राओं का हुआ सम्मान

चिरगांव /झांसी जयूसं। चिरगांव स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मेधावी छात्राओं के सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाने वाली मेधावी छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

संयुक्त क्रू लॉबी में आयोजित किया गया संरक्षा सेमिनार



झांसी जयूसं। रेलवे स्टेशन बांदा की संयुक्त क्रू लॉबी में संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, संरक्षा सलाहकारों एवं रेलकर्मियों सहित लगभग 110 कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सेमिनार के दौरान आगामी शीतकालीन मौसम को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संरक्षा सावधानियों, डीसी/आरसी मेमो के महत्व, पॉइंट एवं क्रॉसिंग के रखरखाव, सुरक्षित रेल परिचालन, मानवयुक्त समपार फाटकों के रखरखाव तथा एसपीएडी (सिग्नल पासिंग एट डेंजर) की घटनाओं से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सेमिनार की अध्यक्षता कमला कांत, संरक्षा सलाहकार/ लोको/ बांदा ने की।

कंवलजीत सिंह भामरा सम्मानित



झांसी जयूसं। झांसी मंडल में लंबे समय से फोटोग्राफी के क्षेत्र में सक्रिय रहकर मंडल की गतिविधियों, आयोजनों एवं विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों को अपने कैमरे में संजोने वाले फोटोग्राफर कंवलजीत सिंह भामरा को मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा, जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह समेत अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सीएम ग्रिड्स फेज-2 आइकॉनिक मार्ग के विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्यों का मडलायुक्त ने किया स्थलीय निरीक्षण

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता समयबद्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश



झांसी जयूसं। आज मंडलायुक्त कृष्ण कुमार ने सीएम ग्रिड्स फेज-2 योजनान्तर्गत नगर निगम झांसी में इलाइट चौराहा से चित्रा चौराहा होते हुए आल्हाघाट नहर एवं पहुज नदी तक आइकॉनिक मार्ग के उन्नयन तथा समेकित विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने सर्वप्रथम इलाइट चौराहे पर कराए जा रहे कार्यों के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने नाले को कवर किए जाने के उपरांत उसकी समुचित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि नालों की सफाई के लिए बीच-बीच में मैनहोल चेम्बर बनाए गए हैं। साथ ही विद्युत की ओवरहेड लाइन को अंडरग्राउंड किए जाने के संबंध में भी चर्चा की गई। मंडलायुक्त ने मौके पर वर्टिकल गार्डन की कटाई-छंटाई, साफ-सफाई एवं नियमित सिंचाई कराए जाने के निर्देश दिए, जिससे मार्ग का सौन्दर्यीकरण बेहतर ढंग से बना रहे।

उन्होंने उक्त कार्यों के अतिरिक्त परियोजना की पीपीटी तैयार कर 27 नवम्बर 2026 को अपराह्न 4:00 बजे समीक्षा किए जाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि उक्त परियोजना की कुल लागत 4133.69 लाख रुपये तथा कुल लंबाई 4.70 किलोमीटर है। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता राजवीर सिंह, उप निदेशक अर्थ एवं सांख्यिकी एस.एन. त्रिपाठी, अधीक्षण अभियंता श्रीमती नीना सिंह, सहायक अभियंता विपिन कुमार, अवर अभियंता पंकज यादव एवं कंसल्टेंट टीम उपस्थित रही।



भक्ति जागृत होने से मिटता है अहंकार : दिवाकर महाराज

झांसी जयूसं। सिद्धेश्वर बालाजी धाम ट्रस्ट एवं राय परिवार हंसारी के तत्वावधान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस का प्रसंग सुनाते हुए श्रीधाम ओरछा से पधारे कथा व्यास दिवाकर महाराज ने पुण्य कम होने से ही मनुष्य परेशानी में घिर? जाता है। इसलिए वेदपाठ करते रहने हृदय में भगवान की भक्ति जागृत रहती है। श्रीमद भागवत को कल्पवृक्ष का पका हुआ फल बताते हुए वे कहते हैं इस फल में त्यिघने लायक कुछ भी नहीं है इसलिए जब तक सभी दुख दूर न हो जायें तब तक इसका रसपान करते रहो। सनक, सनत और? सनंदन कुमारों के साथ नारद जी के वार्तालाप का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि काशी ज्ञान, वृंदावन भक्ति और अयोध्या वैराग्य की नगरी है। भगवान से जब भी कुछ मांगने का मौका मिले तो संसार की क्षणिक सुख देने वाली यश तथा आराम देने वाली वस्तुएं न मांगकर स्वयं भगवान को अर्थात उनकी भक्ति को मांगना चाहिए। माता कुंती भगवान कृष्ण से कहती है कि सुख से अच्छा तो दुख ही ठीक है क्योंकि दुख में उन्हें भगवान का स्मरण होता रहता है किंतु सुख में हम भगवान को भूल कर अपनी सांसारिक माया में ही खोये रहते हैं। वे कहते हैं कि जब प्राणी परमात्मा के प्रति समर्पण का भाव बना लेता है और सत्कर्म करता है तो फिर उसके भीतर का अहंकार खत्म हो जाता है और उसे प्रभु की कृपा प्राप्त होने लगती है। द्वितीय दिवस हनुमान अंश के डायरेक्टर के माता- पिता श्रीमती सुधा शशीकांत चतुर्वेदी कथा श्रवण हेतु पधारे और भागवताचार्य का माल्यार्पण कर शुभाशीष प्राप्त किया??। मुख्य यजमान ने उनका पट्टिका पहनाकर अभिनंदन किया। इस मौके पर अमित राय, नरेश महाजन, संतोष राय प्रधान, के.के.राय भांजे, निखिल राय, अरविंद राय , के के राय, जितेंद्र राय फौजी, सोनू राय,आनंद राय, रवि राय,बबलू राय, किशन यादव,शैतान सिंह ,सूरज यादव फौजी , शिवम राय, रत्नेश राय, अतुल? राय, रवींद्र राय, आदि मौजूद रहे। अंत में कार्यक्रम आयोजक नितेंद्र रघुवीर राय ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एक स्वर, एक संवाद कार्यक्रम के तहत जनपद में धूमधाम से मनाया गया संविधान दिवस



झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी द्वारा गुरुवार को च्एक स्वर, एक संवादज्ज कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में संविधान दिवस गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर जनपद स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का आयोजन सूरज प्रसाद राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, झांसी में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी श्रीमती कमलेश कच्छल उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि श्रीमती कमलेश कच्छल ने कार्यक्रम में उपस्थित 680 छात्राओं, जनपद के समस्त न्यायिक अधिकारियों एवं शिक्षकगण को भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठ कराया। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने भारतीय संविधान की महत्ता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता एवं सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक है कि युवा पीढ़ी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति अपने संवैधानिक कर्तव्यों का भी पूरी निष्ठा से पालन करे।

एक स्वर, एक संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थानों में भी प्रातः 9 बजे एक साथ संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठ कराया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों में संवैधानिक ज्ञान एवं जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जनपद स्तरीय मुख्य कार्यक्रम में 680 छात्राओं तथा अन्य विद्यालयों एवं संस्थानों में 19,901 छात्र-छात्राओं सहित कुल 20,581 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

मुख्य समारोह में जनपद न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण एवं पराविधिक स्वयंसेवक, जिला विद्यालय निरीक्षक झांसी श्रीमती रती वर्मा, विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुस्मिता वर्मा, प्रधानाध्यापिका डॉ. असमा खान सहित विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. असमा खान ने किया। अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुस्मिता वर्मा ने जनपद न्यायाधीशसमस्त न्यायिक अधिकारियों एवं जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती रती वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

झाँसी जयूसं। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर संविधान गौरव दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया।

बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के सपनों को साकार करने का काम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बखूबी कर रहे हैं। प्रधान, विधान और संविधान शब्दों की व्याख्या करते हुए अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि जिस प्रकार से बिना प्रधान के किसी संस्था के, विधान के बिना परिवार या समाज के और संविधान के बिना किसी भी देश के कुशल संचालन की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबा साहब के सपनों के भारत के निर्माण के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं और यही कारण है कि विश्व विरादरी हमें विकसित भारत की ओर बढता स्वीकार्य कर रही है। मुख्य वक्ता एमएलसी डॉक्टर बाबूलाल तिवारी ने कहा कि ये महापुरुषों का देश है, उन्हीं महापुरुषों में एक भारत रत्न बाबा साहब भी हैं जिन्होंने देश के कुशल संचालन के लिए सर्व स्पर्शी और सर्व व्यापी संविधान हमें सौंपकर विश्व को व्यापक लोकतंत्र का दर्शन कराने का काम किया! उसी दर्शन और चिंतन को लेकर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया को भारत की शक्ति का प्रचण्ड स्वरूप दिखाने का काम कर



रहे हैं द्य दुनिया भारत के संविधान का लोहा मान रही है। जिला महामन्त्री विकास कुशवाहा ने कहा कि बाबा साहब का संविधान हम सब को एक माला के रूप में पिरोयक हुए है और तब हम दुनिया को सशक्त दिख रहे हैं। संचालन करते हुए जिला उपाध्यक्ष / कार्यक्रम संयोजक रानू देवलिया एड्. ने कहा कि देश विरोधी ताकतें देश को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुंचा पायें इसके लिए बाबा साहब के साहित्य को हम सभी को अध्ययन जरुर करना चाहिए, तभी हम विपक्षियों का माकूल जबाब देने में सक्षम होंगे ।

जिलाध्यक्ष एससी मोर्चा अमित खटीक ने कहा कि देश के हर गरीब और वंचित व्यक्ति की चिंता भाजपा सरकार कर रही है द्य सही अर्थों में भाजपा बाबा साहब के सपनों को साकार कर रही है ।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डाक्टर भीम राव अम्बेडकर के चित्रों के समक्ष पुष्पार्चन के साथ हुआ तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत संजीव अग्रवाल, विनीत खटीक, अभिषेक जैन, ज्योति पटैरिया, किरन गौतम, अनुराग अहिरवार, रविन्द्र आदि ने किया। संचालन कार्यक्रम संयोजक रानू देवलिया एड्. ने आभार अमित खटीक ने व्यक्त किया! कार्यक्रम के पश्चात जिला उपाध्यक्ष रानू देवलिया एड्. के नेतृत्व में कचहरी स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर भाजपा कार्यकर्ताओं और अनुसूचित मोर्चा के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण और पुष्पार्चन कर उन्हें याद किया।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के लिए एक बड़ी उपलब्धि

लोनार झील को मिली वैश्विक भू-विरासत स्थलों की 'तृतीय 100' सूची में जगह

मुंबई, (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में स्थित प्रसिद्ध लोनार झील को अंतरराष्ट्रीय भू-विज्ञान संघ (आईयूजीएस) की 'तृतीय 100' वैश्विक भू-विरासत स्थलों की सूची में शामिल किया गया है।

यह भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। करीब 12 हजार वर्ष पहले बने इस अनोखे उल्कापिंड प्रभाव वाले गड्ढे में झील का निर्माण हुआ था। यह

- 12 हजार वर्ष पहले बने इस अनोखे उल्कापिंड प्रभाव वाले गड्ढे में झील का निर्माण
- संरक्षण, अनुसंधान और पर्यटन विकास के नए रास्ते खुलेंगे

दक्कन ट्रैप्स के बेसाल्ट चट्टानी क्षेत्र में स्थित है और वैश्विक वैज्ञानिक महत्व का एक असाधारण भूवैज्ञानिक स्थल है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र की प्रसिद्ध लोनार झील को आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय भू-विज्ञान संघ की 'तीसरी 100' वैश्विक भू-विरासत स्थलों की सूची में जगह मिली है। हजारों वर्ष पहले एक विशाल उल्कापिंड के टकराने से बनी यह असाधारण झील अत्यधिक वैज्ञानिक महत्व का भूवैज्ञानिक चमत्कार है। इस वैश्विक मान्यता से इसकी अनूठी भूवैज्ञानिक संरचना और वैज्ञानिक महत्व को पहचान मिली है। इससे इसके संरक्षण, अनुसंधान और पर्यटन विकास के नए रास्ते खुलेंगे। महाराष्ट्र के लिए यह गर्व का क्षण है।

झील की विशिष्ट भूवैज्ञानिक विशेषताएं अत्यधिक वेग से होने



वाले उल्कापिंड प्रभाव की प्रक्रियाओं और पृथ्वी के भूवैज्ञानिक विकास को समझने में महत्वपूर्ण जानकारी देती हैं।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रयासों से मिली इस प्रतिष्ठित मान्यता को भारत की विशिष्ट भू-विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे भू-विरासत के संरक्षण और वैज्ञानिक प्रगति के प्रति सर्वेक्षण की निरंतर प्रतिबद्धता भी मजबूत हुई है। राष्ट्रीय विज्ञान संचारक केंद्र (एनसीएससी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और वरिष्ठ विज्ञान संचारक सुहास नाइक-साटम ने इस उपलब्धि का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि यह मान्यता महाराष्ट्र और भारत के लिए गर्व की बात है। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि इस असाधारण भूवैज्ञानिक संरचना की ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित होगा। यह वैज्ञानिकों को बेसाल्ट चट्टानों पर अत्यधिक वेग से उल्कापिंड के टकराने के प्रभावों का अध्ययन करने का दुर्लभ अवसर देती है।

उन्होंने कहा कि लोनार का सबसे बड़ा वैज्ञानिक महत्व उन चट्टानों की प्रकृति में है, जिनमें इसका निर्माण हुआ है। जहां कई मान्यता प्राप्त उल्कापिंड प्रभाव वाले गड्ढे अवसादी, क्रिस्टलीय या मिश्रित भूवैज्ञानिक संरचनाओं में पाए जाते हैं, वहीं लोनार बेसाल्ट की ठोस चट्टानों में अत्यधिक वेग से उल्कापिंड टकराने के कारण बनी संरचना का एक बेहद दुर्लभ उदाहरण है।

खान मंत्रालय के अनुसार, लोनार दुनिया में बेसाल्ट चट्टानों पर अत्यधिक वेग से उल्कापिंड के प्रभाव से बने ज्ञात पांच स्थलीय गड्ढों में से एक है। इसका लगभग सुरक्षित गोलाकार आकार, भीतरी ढलानों पर दिखाई देने वाले लावा प्रवाह, टक्कर से बनी चट्टानों के टूटे हुए टुकड़े और बिखरे हुए चट्टानी पदार्थ इसे वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक प्रयोगशाला बनाते हैं।

74 सक्रिय राष्ट्रीय सदस्यों वाला अंतरराष्ट्रीय भू-विज्ञान संघ (आईयूजीएस) दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक संगठनों में से एक है। यह मानव कल्याण से जुड़े पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

इस सूची में शामिल स्थल पृथ्वी और उसके इतिहास को समझने के लिहाज से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में गिने जाते हैं। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में स्थित ये स्थल पृथ्वी के महत्वपूर्ण भूवैज्ञानिक स्थानों की एक अनूठी यात्रा का अवसर प्रदान करते हैं।

अपने डर को छिपाने के लिए खुद को दिखाती है दबंग : दिव्या श्रीपदा

चेन्नई, (एजेंसियां)। अभिनेत्री दिव्या श्रीपदा जल्द ही तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। वह निर्देशक संतोष कुमार की आने वाली एक्शन एंटरटेनर फिल्म 'मक्कल कवलन में अभिनेता के. मणिकंदन के साथ नजर आएंगी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। अब दिव्या ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि वह फिल्म में मलार नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो कोर्ट में टाइपिस्ट का काम करती है। यह किरदार उनके लिए खास है। दिव्या ने बताया कि मैं फिल्म में मलार नाम का किरदार निभा रही हूं। वह कोर्ट में टाइपिस्ट है। मलार अपने समुदाय की पहली लड़की है, जिसने डिग्री हासिल की और नौकरी शुरू की। उसने समाज की बंदिशों को तोड़कर अपनी पहचान बनाई है। लेकिन ऐसा करने के बावजूद उसके अंदर हीन भावना रहती है। अपने इस डर को छिपाने और उससे बाहर निकलने के लिए वह खुद को काफी दबंग और तेज-तर्रार दिखाती है।



दिव्या ने बताया कि फिल्म में मणिकंदन एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जिनका अक्सर कोर्ट आना-जाना होता है। इसी दौरान मलार और पुलिस अधिकारी के बीच दोस्ती होती है। धीरे-धीरे दोनों एक-दूसरे के ऐसे साथी बन जाते हैं, जिनके साथ वे बिना किसी झिझक के अपनी बातें साझा कर सकते हैं। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मैं खुद को खुशकिस्मत महसूस कर रही हूं।

फिल्म को लेकर दिव्या ने कहा कि मक्कल कवलन समाज में वर्ग और जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव पर टिप्पणी करती है। फिल्म में दिखाया गया है कि जब व्यवस्था गलत दिशा में काम करने लगती है, तो आम लोगों की जिंदगी किस तरह प्रभावित होती है। इसकी कहानी एक ईमानदार पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी तैनाती ऐसे इलाके में होती है, जहां कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ी हुई है। निर्देशक संतोष कुमार के काम की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, निर्देशक संतोष कुमार ने किसी भी सच्चाई को छिपाने या उसे हल्का करके दिखाने की कोशिश नहीं की है।

अर्ध भेकासन से दूर होगा पीठ दर्द

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। योग की दुनिया में ऐसे कई आसन हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत और लचीला बनाते हैं और उन्हीं में से एक है



'अर्ध भेकासन'। यह आसन खास तौर पर घुटनों, टखनों, कूल्हों और पीठ के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। संस्कृत में 'अर्ध' का अर्थ है आधा और 'भेक' का अर्थ है मेंढक। इस आसन को करने के दौरान शरीर की आकृति आधे मेंढक जैसी बन जाती है, इसलिए इसे अर्ध भेकासन कहा जाता है। जो लोग लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं, उनके लिए यह आसन काफी फायदेमंद है। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को भेकासन की तैयारी के लिए एक प्रारंभिक और प्रभावी अभ्यास बताया है। यह पेट के बल लेटकर किया जाने वाला एक मध्यम स्तर का आसन है, जिसके नियमित अभ्यास से शरीर का लचीलापन बढ़ता है, पाचन तंत्र मजबूत होता है और तनाव भी कम होता है।

अर्ध भेकासन एक ऐसा योगासन है, जो पीठ के निचले हिस्से से लेकर पूरी रीढ़ की हड्डी तक काम करता है। जब से मुड़कर हाथ से पकड़ा जाता है। इस स्थिति में पीठ की मांसपेशियों पर हल्का खिंचाव पड़ता है, जिससे वे धीरे-धीरे मजबूत होने लगती हैं।

इस आसन के अभ्यास से पीठ की गहरी मांसपेशियां एक्टिव होती हैं। रोजाना अभ्यास करने से मांसपेशियों में ताकत आती है और वे ज्यादा देर तक शरीर को सीधा रखने में मदद करती हैं। जिन लोगों को बार-बार पीठ में अकड़न या थकान महसूस होती है, उनके लिए यह आसन बहुत राहत देने वाला है। जब हम झुककर बैठते हैं या मोबाइल देखते हैं, तो हमारी रीढ़ धीरे-धीरे आगे झुक जाती है। अर्ध भेकासन छाती को खोलता है और कंधों को पीछे की ओर लाता है, जिससे शरीर की मुद्रा अपने आप सुधरने लगती है। नियमित अभ्यास से आप ज्यादा सीधे और आत्मविश्वास के साथ खड़े और बैठते हैं।

हालांकि, इस आसन को करते समय एड़ी को नितंब या जमीन की ओर दबाते समय घुटने पर अत्यधिक जोर न डालें और शुरुआत किसी योग्य योग प्रशिक्षक की देखरेख में ही करें। गर्भावस्था, हर्निया, पेट की किसी हालिया सर्जरी, उच्च रक्तचाप या माइग्रेन की स्थिति में इस आसन से बचना चाहिए।

हम साथ-साथ हैं का पुराना वीडियो देख यादों में खोईं करीना

मुंबई, (एजेंसियां)। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने पति व अभिनेता सैफ अली खान की फिल्म 'हम साथ साथ हैं' से जुड़ी पुरानी यादें ताजा कीं। बुधवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए सैफ अली खान और बहन करिश्मा के डांस सीक्वेंस पर मजेदार रिएक्शन दिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर सैफ अली खान और अपनी बहन करिश्मा कपूर का एक पुराना डांस क्लिप शेयर किया, जिसमें सैफ (विनोद) और करिश्मा (सपना) परिवार के सदस्यों की नकल उतारते हुए मस्ती भरे अंदाज में डांस करते दिख रहे हैं।



अभिनेत्री लिखती हैं, आज सुबह उठते ही यह वीडियो देखा। कौन जानता था कि सैफू अपनी होने वाली सहुआइन के साथ डांस करेगा। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए सूरज बड़जात्या की फिल्मों के प्रति अपना प्यार जताया और उनकी आने वाली फिल्म ये प्रेम मोल लिया को लेकर भी अपनी उत्सुकता साझा की। उन्होंने लिखा कि मुझे ये फिल्म बहुत पसंद है और मुझे सूरज जी की फिल्में बहुत पसंद हैं। ये प्रेम मोल लिया का इंतजार है, जिसके लिए मैं सिनेमा जाऊंगी।

करीना कपूर द्वारा शेयर किया गया वीडियो हम साथ साथ हैं के संगीत सेरेमनी सीक्वेंस का है, जहां सैफ अली खान और करिश्मा कपूर सेलिब्रेशन के दौरान एक साथ परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं। इस सीक्वेंस में फिल्म की बाकी स्टारकास्ट भी नजर आ रही है, जिनमें नीलम कोठारी और महेश ठाकुर भी शामिल हैं, जिन्होंने फिल्म में शादीशुदा कपल का रोल निभाया था। जब हम साथ साथ हैं रिलीज हुई थी, तब सैफ और करिश्मा को-स्टार थे और एक-दूसरे के साथ रोमांटिक जोड़ी में नजर आए थे।

थैलेसीमिया व सिकल सेल के इलाज में नई दवाओं और जीन थेरेपी पर चर्चा

नोएडा, (एजेंसियां)। थैलेसीमिया और सिकल सेल जैसी गंभीर रक्त संबंधी बीमारियों के इलाज में नई दवाओं और जीन थेरेपी से बेहतर परिणाम मिलने की उम्मीद है। इन बीमारियों के इलाज में हो रहे नए शोध और आधुनिक तकनीकों की जानकारी देने के लिए मंगलवार को सेक्टर-30 स्थित चाइल्ड पीजीआई में सीएमई (कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन) का आयोजन किया गया। इसमें देश-विदेश के विशेषज्ञों ने बच्चों में इन बीमारियों के निदान और उपचार से जुड़ी नई जानकारियां साझा की। कार्यक्रम में थैलेसीमिया, सिकल सेल रोग और इससे संबंधित अन्य रक्त विकारों के



- देश-विदेश के चिकित्सकों ने लिया हिस्सा

इलाज में नई दवाओं, बोन मैरो ट्रांसप्लांट और जीन थेरेपी की संभावनाओं पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि इन बीमारियों के इलाज में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। नई उपचार पद्धतियों के साथ मरीजों की नियमित निगरानी और व्यवस्थित आंकड़ों का संकलन भी बेहतर इलाज के लिए महत्वपूर्ण है। सीएमई में इटली के ट्यूरिन विश्वविद्यालय के प्रो. एंटोनियो पीगा ने थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग के इलाज में विकसित हो रही नई दवाओं की स्थिति पर जानकारी दी। अबू धाबी के बुर्जील मेडिकल सिटी के प्रो. खालिद मुसल्लम ने बिना नियमित रक्त चढ़ाने वाले थैलेसीमिया मरीजों (एनटीटीडी) के आधुनिक उपचार पर चर्चा की। नई उपचार पद्धतियों के साथ बीमारी के स्थायी इलाज की संभावनाओं पर भी विशेषज्ञों ने विचार साझा किए।

बलरामपुर की जगरानी दूसरी महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणा, सशक्तीकरण का भी दे रहीं संदेश

बलरामपुर, (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बासिन गांव की रहने वाली जगरानी पैकरा महिलाओं की आत्मनिर्भरता का एक उदाहरण बनकर उभरी हैं। 'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन' के तहत एक महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद, उन्होंने 2018 में 90,000 रुपए का ऋण लिया और किराने की एक छोटी-सी दुकान शुरू की।

धीरे-धीरे अपने व्यवसाय का विस्तार करते हुए, उन्होंने एक राइस मिल (चावल मिल) लगाई और खेती-बाड़ी भी शुरू कर दी। आज, उनकी किराने की दुकान और राइस मिल से उन्हें हर महीने 10,000 से 15,000 रुपए की आमदनी होती है।

बलरामपुर जिले के ग्राम बासिन की जगरानी पैकरा की जिंदगी में एक समय ऐसा भी था, जब परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करना चुनौती बना हुआ था। सीमित आमदनी और संसाधनों की कमी के बीच परिवार चलाना आसान नहीं था। लेकिन जगरानी ने हालात के सामने हार मानने के



ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की पहल का भी उदाहरण

बजाय खुद कुछ करने का फैसला किया। इसी दौरान वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित चंपा महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें न केवल आर्थिक सहयोग मिला, बल्कि अपने पैरों पर खड़े होने का आत्मविश्वास भी मिला।

स्वयं सहायता समूह की सदस्य जगरानी पैकरा ने कहा कि मैंने 2018 में कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड से पैसे लिए, जिसके बाद मैंने एक छोटी-सी दुकान खोली। फिर, जब दुकान से आमदनी होने लगी, तो मैंने यहां एक हॉलर मशीन भी लगा ली। इससे भी मुझे कमाई हो रही है। अब मेरी किराने की दुकान काफी बड़ी हो गई है और मैं महीने में लगभग 10 से 15 हजार रुपए कमा लेती हूं। यह योजना हमारे लिए बहुत फायदेमंद है और ऐसी योजनाएं चलाने के लिए मैं केंद्र सरकार और पीएम मोदी को धन्यवाद देती हूं। ऐसी योजनाएं आगे भी चलती रहें, ताकि हमारे गरीब स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं आगे बढ़ सकें और मैं उन्हें प्रेरित कर सकूं। जगरानी के साथ दुकान में काम करने वाले यमुना पैकरा ने कहा कि मैं और मेरी भाभी मिलकर दुकान चलाते हैं। 2018 में मेरी भाभी ने लोन लिया था, जिसके बाद दुकान शुरू की गई।

जगरानी पैकरा की यह सफलता केवल एक महिला के व्यवसाय की कहानी नहीं है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की सरकारी पहल का भी उदाहरण है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर आर्थिक गतिविधियों और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

कुंभ की आहट से गूंजा हरिद्वार का पांडेवाला

हरिद्वार, (एजेंसियां)। उत्तराखंड की कुंभनगरी हरिद्वार में कुंभ-2027 की तैयारियां अब धार्मिक परंपराओं के साथ आकार लेने लगी हैं। देव दीपावली के पावन अवसर पर नगर प्रवेश के बाद श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के रमता पंचों ने पांडेवाला स्थित अपने प्रवास स्थल पर पारंपरिक धार्मिक गतिविधियों का विधिवत शुभारंभ कर दिया। बुधवार को इष्टदेव की प्रतिष्ठा, चारों दिशाओं में मढ़ियों की स्थापना और धूनी प्रज्वलन के साथ संतों की तप-साधना का क्रम शुरू हो गया है। धूनी की पवित्र अग्नि, मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष से पांडेवाला का वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंगने लगा है।

जूना अखाड़े की धूनियों के साथ धार्मिक गतिविधियां

अखाड़े की प्राचीन परंपरा के अनुसार प्रवास स्थल पर चारों दिशाओं में चार मढ़ियों के तंबू स्थापित किए गए हैं। इनमें विधि-विधान से धूनी प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना, जप, ध्यान, सत्संग और साधना की दिनचर्या शुरू कर दी गई है। अखाड़े के पारंपरिक शस्त्रों की स्थापना भी की गई है। शास्त्र और शस्त्र को समान महत्व देने वाली अखाड़ा परंपरा में जहां शास्त्र ज्ञान, वैराग्य और आध्यात्मिक चेतना के प्रतीक हैं वहीं शस्त्र धर्म और संस्कृति की रक्षा के संकल्प को अभिव्यक्त करते हैं।

रमता पंचों के प्रवास के साथ ही अखाड़े की आगामी धार्मिक गतिविधियों और छावनी स्थापना की तैयारियों ने भी गति पकड़ ली है। पांडेवाला स्थित प्रवास स्थल आने वाले दिनों में साधना, अनुशासन और धार्मिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा। अखाड़े की परंपरा के अनुसार आगामी दिनों में धर्मध्वजा स्थापना, पेशवाई सहित विभिन्न धार्मिक एवं पारंपरिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर तीर्थ पुरोहितों के संगठन पंचायती धड़ा फिराहेडियान-1200 के पदाधिकारियों ने रमता पंचों की जमात का परंपरागत स्वागत किया। संगठन के अध्यक्ष सचिन कौशिक, मंत्री उमाशंकर वशिष्ठ और कोषाध्यक्ष अनिल कौशिक ने अखाड़े के प्रतिनिधियों से भेंट कर प्रवास की व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि अखाड़ों के प्रवास और कुंभ से जुड़ी व्यवस्थाओं में सहयोग करना पंडा समाज की पुरानी परंपरा है। संगठन इस परंपरा का पूरी प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करेगा।

उधर, मेलाधिकारी सोनिका के निर्देश पर अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती और उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने पांडेवाला पहुंचकर रमता पंचों और अखाड़े के पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान प्रवास स्थल की व्यवस्थाओं, आगामी धार्मिक गतिविधियों और कुंभ छावनी की स्थापना से संबंधित तैयारियों पर चर्चा हुई। मेला प्रशासन ने कुंभ की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने के लिए अखाड़े के साथ निरंतर संवाद और समन्वय बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई।

जूना अखाड़े के पदाधिकारियों ने कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर मेला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। रमता पंचों की जमात के नगर प्रवेश पर किए गए स्वागत के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कुंभ के सफल और सुव्यवस्थित आयोजन में हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

बदलते मौसम का वातावरण पर ही नहीं, शरीर पर पड़ता है असर

- खानपान और रोजमर्रा की दिनचर्या में करना चाहिए बदलाव
- दूध और नए अनाज को भी सर्दियों के खानपान में करें शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। मौसम बदलने का असर सिर्फ हमारे आसपास के वातावरण पर ही नहीं, बल्कि शरीर पर भी पड़ता है। गर्मी, सर्दी और बारिश हर मौसम में शरीर की जरूरतें अलग-अलग होती हैं। आयुर्वेद में इस बात पर खास जोर दिया गया है कि मौसम के अनुसार खानपान और रोजमर्रा की दिनचर्या में बदलाव करना चाहिए। इसे ऋतुचर्या कहा जाता है। ऋतुचर्या का मुख्य उद्देश्य मौसम बदलने के दौरान शरीर को स्वस्थ रखना और बीमारियों से बचाव में मदद करना है।

अभी सर्दियों का मौसम चल रहा है तो उसके अनुसार हमारी खानपान की आदतों और त्वचा की देखभाल के तरीकों में बदलाव करने की जरूरत है। ठंडी हवाओं के कारण त्वचा रूखी हो जाती है, होंठ फटने लगते हैं और कई लोगों को सर्दी-जुकाम जैसी परेशानियां होने लगती हैं। ऐसे में आयुर्वेद में बताए गए कुछ आसान उपाय अपनाकर सर्दियों में अपनी सेहत का ध्यान रखा जा सकता है।



आयुर्वेद के अनुसार, सर्दियों में शरीर की पाचन शक्ति यानी जठराग्नि अपेक्षाकृत मजबूत रहती है। इस दौरान शरीर भारी और पौष्टिक भोजन को भी अच्छी तरह पचा सकता है। इसलिए इस मौसम में शरीर की जरूरत के अनुसार पर्याप्त मात्रा में भोजन करने की सलाह दी जाती है। दूध और नए अनाज को भी सर्दियों के खानपान में शामिल किया जा सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि जरूरत से ज्यादा खाना शुरू कर दें। अपनी भूख और शारीरिक जरूरत के हिसाब से ही भोजन करें। इस मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियां, गाजर, मूली, मेथी और मौसमी फल खाएं। ये शरीर को जरूरी पोषक तत्व देने में मदद करते हैं। वहीं, बहुत ज्यादा ठंडी चीजों से परहेज करने की सलाह दी जाती है। ठंड के मौसम में त्वचा की नमी कम होने लगती है, जिससे रूखापन और खिंचाव महसूस हो सकता है। आयुर्वेद में सर्दियों के दौरान सरसों के तेल से शरीर की मालिश करने की सलाह दी गई है। इससे त्वचा को पोषण और नमी मिल सकती है। नहाने से पहले हल्के हाथों से तेल की मालिश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इस मौसम में ठंडी और शुष्क हवाओं के कारण होंठों का फटना आम समस्या है। ऐसे में होंठों पर दूध की मलाई या घी लगाने से रूखेपन में राहत मिल सकती है। इसके अलावा शहद को पानी में मिलाकर होंठों पर लगाने का भी सुझाव दिया जाता है। इसके लिए शहद में उसकी दोगुनी मात्रा में पानी मिलाएं और फिर होंठों पर लगाएं।

संपादक की कलम से

कभी गहराइयों में उतरता मन ही रचता है नए विचारों की दुनिया

यह सचमुच विचारणीय है कि जिस मन को सदियों से एक बेलगाम घोड़े या एक छटपटाते पक्षी की उपमा दी जाती रही है, क्या वही मन हमारी सबसे बड़ी ताकत बन सकता है? उपनिषदों से लेकर आधुनिक मनोविज्ञान तक, मन को वश में करने की अनगिनत कथाएं और विधियां मौजूद हैं। मगर क्या वश में करना ही एकमात्र विकल्प है? क्या किसी बहती हुई नदी को सिर्फ बांध बनाकर रोक देना ही बुद्धिमानी है, या उस जलधारा को नहरों का रूप देकर पूरे क्षेत्र को हरा-भरा कर देना असली समझदारी है?

चंचलता अभिशाप नहीं, बल्कि एक अलौकिक क्षमता है। मन का स्वभाव है गति। जब हम कहते हैं कि मन देश-विदेश, आकाश-पाताल और यहां-वहां भटकता है, तो असल में हम मन के उस विराट कैनवास की बात कर रहे होते हैं, जिसे हर कोई धारण नहीं कर सकता। साहित्य की दृष्टि से देखें तो मन का भटकाव वास्तव में जिज्ञासा की अग्नि है। अगर कोलंबस का मन चंचल न होता, तो यूरोप और अमेरिका के बीच संपर्क का नया मार्ग नहीं खुल पाता। अगर कालिदास का मन बादलों के साथ न उड़ता, तो भारत की भौगोलिक सुंदरता का अद्भुत चित्रण करने वाला कालजयी महाकाव्य 'मेघदूतम' की रचना नहीं होती। अगर सेब को गिरते देखकर न्यूटन का मन ब्रह्मांडीय नियमों की ओर न भागा होता, तो गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत भी अधूरा ही रह जाता।

सूरज की धूप जब किसी कागज पर साधारण रूप से पड़ती है, तो कुछ खास नहीं होता। पर जब उसी धूप को एक 'मैग्नीफाइंग ग्लास' के जरिए एक बिंदु पर केंद्रित कर दिया जाता है, तो कागज में आग लग जाती है। चंचल मन के पास धूप की कोई कमी नहीं है, बस उसे केंद्रित करनेकी आवश्यकता है। जब हमारा मन देश-विदेश और आकाश-पाताल में भटकता है, तो वह वास्तव में अलग-अलग क्षेत्रों से विचार एकत्र कर रहा होता है। जो व्यक्ति सिर्फ एक ही काम में लगा रहता है, उसकी सोच अक्सर एक ही ढर्रे में कैद हो जाती है, लेकिन जिसका मन हर जगह दौड़ता है, वह सर्वथा भिन्न विषयों की बातों को एकसाथ पिरोकर 'कोलाज' बना सकता है।

बड़प्पन इस बात में है कि हम सृजन की अपनी भूख को दबाएं नहीं। जब मन भटके, तो उसे रोका नहीं जाए, बस उसके हाथ में एक कलम और डायरी थमा दी जाए। जब हम अपने भटकते विचारों को लिपिबद्ध करने लगते हैं, तो पाते हैं कि असंबद्ध विचारों के पीछे एक गहरा विचार-बीज छिपा था। सबकी परवाह करना और संवेदनशीलता को बचाकर रखना अद्भुत कौशल है।

अधिकांश लोग केवल अपने 'मैं' और अपने 'परिवार' की सीमा में जीते हैं, लेकिन जब हमारा मन दूसरों के सुख-दुख, दुनिया के संकटों और दूरदराज के घटनाक्रमों से प्रभावित होने लग जाता है, तो इसका अर्थ है कि हमारे भीतर एक अत्यंत संवेदनशील हृदय स्पंदित हो रहा है। जो व्यक्ति केवल अपना स्वार्थ सोचता है, वह कभी बड़ा नेता, महान शिक्षक या मार्गदर्शक नहीं बन सकता। दूसरों की परवाह करने वाला मन ही समाज की नब्ज पहचानता है।

अगर हमारा मन सबकी परवाह करता है, तो इस सहानुभूति को कर्म में बदलना होगा। परवाह को केवल चिंता न बनने दें। अपनी इस संवेदनशीलता का इस्तेमाल कर दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने का जरिया बना लिया जाए। हम अपनी डायरी को विचारों का संग्रहालय भी बना सकते हैं। जब भी मन किसी अनहोनी या अनोखी कल्पना में भटके, तो उसे दबाने के बजाय तुरंत डायरी में लिख लेना चाहिए। मन कोई शत्रु नहीं है, जिसे जंजीरों में जकड़कर जेल में डाल दिया जाए। मन तो उस हवा की तरह है, जिसे अगर कमरे में बंद कर दें, तो वह घुटन बन जाती है, लेकिन खिड़कियां खोल दी जाएं, तो वह ताजगी का अहसास कराती है।

मन जब आकाश में उड़े, तो इसे कल्पना की नई ऊंचाइयों को छूने देना चाहिए। जब यह पाताल में उतरे, तो इसे ज्ञान के गहरे मोती चुनकर लाने देना चाहिए। जब यह दूसरों की परवाह करे, तो इसे प्रेम और करुणा का दीपक जलाने दिया जाए। बस एक छोटा-सा पतंगबाज बन जाया जाए। डोर अपने हाथ में रखें और अपने मन की पतंग को अनंत दिशाओं में हिलने-डुलने दिया जाए। जब दिशा हमारे हाथ में होगी और ऊर्जा मन की होगी, तो जीवन का यह सफर एक नीरस यात्रा न रहकर एक अत्यंत रोमांचक और समृद्ध अनुभव बन जाएगा।

मन की इस चंचलता और उत्सुकता का उपयोग अलग-अलग विषयों को पढ़ने, नई संस्कृतियों, वैश्विक व्यवस्थाओं, दर्शन और विज्ञान को समझने में किया जाना चाहिए। साथ ही इस गुण का उपयोग लोगों को समझने, बेहतर संवाद स्थापित करने, मार्गदर्शन करने और सामाजिक या संगठनात्मक बदलाव लाने में किया जा सकता है। यह बहुमुखी सोच नए विचार, नए लेख या किसी जटिल समस्या का अनोखा समाधान निकालने में काम आ सकती है। ऐसा मन लोगों की जरूरतों और भावनाओं को दूसरों से बेहतर समझ पाता है। ऐसे संवेदनशील मन की जरूरत आज की इस हताश दुनिया में सबको है।

अभिव्यक्ति पर अंकुश और कला का अस्तित्व



महेन्द्र तिवारी

इस पूरे प्रकरण की जड़ें दिसंबर 2024 की एक शांत और कलात्मक प्रस्तुति में छिपी हैं। परस्तू अहमदी ने ईरान के कुम प्रांत में स्थित ऐतिहासिक देर-ए-गचिन कारवाँसराय को अपनी संगीत संध्या के लिए चुना था। प्राचीन व्यापारिक मार्गों का साक्षी रहा यह कारवाँसराय ईरान की समृद्ध स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। वहाँ न तो कोई भीड़ थी और न ही कोई प्रत्यक्ष दर्शक। केवल कुछ वाद्ययंत्र, पुरुष संगीतकार, अभिलेखन के उपकरण और काले परिधान में खुले बालों के साथ गीत गाती परस्तू थीं। इसे एक काल्पनिक संगीत सभा के रूप में रचा गया था और इसका चलचित्र आभासी संसार के माध्यम से दुनिया के सामने रखा गया। देखते ही देखते यह प्रस्तुति लाखों लोगों के बीच लोकप्रिय हो गई, किंतु यही लोकप्रियता कलाकारों के लिए संकट का कारण बन गई।

संगीत मानव सभ्यता की सबसे कोमल और सार्वभौमिक अभिव्यक्ति है, जो किसी भी सीमा, भाषा या विचारधारा से परे सीधे हृदय तक पहुँचती है। लेकिन जब किसी राज्य की व्यवस्था एक स्त्री के गायन को अपराध की श्रेणी में रख दे और उसके बदले शरीर पर कोड़े बरसाए जाएँ, तो यह केवल एक कानूनी कार्यवाही नहीं रह जाती, बल्कि समूची मानवीय संवेदना के समक्ष एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर देती है। ईरान के कुम शहर में 23 नवंबर 2026 को जो कुछ घटा, उसने विश्व भर के कलाप्रेमियों और चिंतकों को भीतर तक झकझोर दिया है। प्रसिद्ध ईरानी गायिका परस्तू अहमदी और उनके चार साथियों को चौहत्तर-चौहत्तर कोड़ों की सजा दी गई। उनके अधिवक्ता मुस्तफ़ा नीली द्वारा पुष्टि की गई इस सजा में केवल शारीरिक दंड ही शामिल नहीं है, बल्कि उन्हें दो वर्षों तक किसी भी कलात्मक गतिविधि में भाग लेने और देश से बाहर यात्रा करने से भी प्रतिबंधित कर दिया गया है।

इस पूरे प्रकरण की जड़ें दिसंबर 2024 की एक शांत और कलात्मक प्रस्तुति में छिपी हैं। परस्तू अहमदी ने ईरान के कुम प्रांत में स्थित ऐतिहासिक देर-ए-गचिन कारवाँसराय को अपनी संगीत संध्या के लिए चुना था। प्राचीन व्यापारिक मार्गों का साक्षी रहा यह कारवाँसराय ईरान की समृद्ध स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। वहाँ न तो कोई भीड़ थी और न ही कोई प्रत्यक्ष दर्शक। केवल कुछ वाद्ययंत्र, पुरुष संगीतकार, अभिलेखन के उपकरण और काले परिधान में खुले बालों के साथ गीत गाती परस्तू थीं। इसे एक काल्पनिक संगीत सभा के रूप में रचा गया था और इसका चलचित्र आभासी संसार के माध्यम से दुनिया के सामने रखा गया। देखते ही देखते यह प्रस्तुति लाखों लोगों के बीच लोकप्रिय हो गई, किंतु यही लोकप्रियता कलाकारों के लिए संकट का कारण बन गई।

वर्ष 1997 में ईरान के नौशहर में जन्मी परस्तू अहमदी ने चलचित्र निर्देशन की विधिवत शिक्षा प्राप्त की है और उनका गहरा जुड़ाव पारंपरिक ईरानी संगीत से रहा है। यह पहली बार नहीं था जब उनकी कला को प्रशासनिक अवरोधों का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले भी ईरान में चले महिला, जीवन और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उनकी सांगीतिक गतिविधियों पर सुरक्षा एजेंसियों ने आपत्तियाँ जताई थीं। ऐसे में कारवाँसराय की प्रस्तुति को किसी आकस्मिक घटना के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह एक संवेदनशील कलाकार की निरंतर चल रही रचनात्मक यात्रा का ही स्वाभाविक विस्तार था, जिसमें वह अपनी मिट्टी के संगीत को नए संदर्भ में जीवित करना चाहती थीं।

प्रस्तुति के प्रसारित होते ही ईरान की न्यायिक व्यवस्था सक्रिय हो गई और कलाकारों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज कर लिया गया। परस्तू तथा उनके कुछ सहयोगियों को प्रारंभ में हिरासत में लिया गया, जिन्हें बाद में जमानत पर रिहा किया गया। जून 2026 में कुम के न्यायालय ने गायिका और उनके साथियों को सार्वजनिक शालीनता भंग करने तथा आभासी मंच पर अनुचित सामग्री प्रसारित करने का दोषी ठहराया। सितंबर में उनकी पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी गई, जिसके परिणामस्वरूप नवंबर में दंड का क्रियान्वयन हुआ। इस सजा का सामना करने वालों में परस्तू के साथ संगीतकार सोहेल फ़कीह नसीरी, अमीन ताहेरी, अमीरअली पिरनिया और कार्यक्रम के आयोजक मोहसिन लश्करी शामिल हैं। यद्यपि प्रारंभिक प्रकरण में अन्य नाम भी जुड़े थे, परंतु दंड दिए जाने की पुष्टि इन्हीं पाँच लोगों के संबंध में हुई।

इस घटनाक्रम की गहराई को समझने के लिए ईरान की सामाजिक और वैधानिक पृष्ठभूमि पर दृष्टि डालना आवश्यक है। वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति के पश्चात वहाँ सार्वजनिक जीवन में धार्मिक नियमों को कानूनी रूप दे दिया गया। इसके अंतर्गत महिलाओं के लिए सार्वजनिक स्थानों पर सिर ढकना अनिवार्य किया गया और उनके एकल सार्वजनिक गायन पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए। परस्तू की प्रस्तुति ने इन दोनों निर्धारित व्यवस्थाओं के सामने एक शांत किंतु स्पष्ट चुनौती प्रस्तुत की। उन्होंने न तो सिर ढका था और न ही अपने स्वर को चारदीवारी तक सीमित रखा।

यहाँ एक अत्यंत सूक्ष्म और आवश्यक अंतर को समझना होगा। किसी धार्मिक परंपरा को स्वेच्छा से स्वीकार करना और राज्य द्वारा बलपूर्वक उसे थोपना दो सर्वथा भिन्न बातें हैं। विश्व के विभिन्न हिस्सों में करोड़ों महिलाएँ अपनी व्यक्तिगत आस्था और विश्वास के कारण सिर ढकती हैं, वहीं असंख्य महिलाएँ ऐसा नहीं करतीं। एक सभ्य समाज का दायित्व है कि वह दोनों ही स्थितियों में स्त्री की स्वतंत्र इच्छा और उसकी गरिमा का सम्मान करे। किसी भी मनुष्य के वस्त्र उसकी नैतिकता, चरित्र या नागरिक अधिकारों का पैमाना नहीं हो सकते।

ईरान में स्त्रियों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का यह विमर्श वर्ष 2022 में तब अत्यंत तीव्र हो गया था, जब बाईस वर्षीय महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मृत्यु हो गई थी। पहनावे के नियमों के कथित उल्लंघन के आरोप में हुई उस घटना ने पूरे देश में व्यापक जनआक्रोश को जन्म दिया। इसके बाद अनेक ईरानी महिलाओं ने अनिवार्य परिधान नियमों के विरुद्ध अपना मौन और मुखर प्रतिरोध दर्ज कराया। परस्तू का गायन इसी व्यापक सामाजिक चेतना से जुड़ता दिखाई देता है, फिर भी उनकी कला को केवल राजनीतिक विरोध के चश्मे से देखना उसके सौंदर्य के साथ अन्याय होगा। संगीत का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है, जो मनुष्य की स्मृतियों, प्रेम, पीड़ा और आशाओं को अभिव्यक्त करता है। ऐतिहासिक सराय की दीवारों के बीच गूँजा परस्तू का स्वर ईरानी संस्कृति की उसी पुरानी परंपरा में एक नया और सजीव अध्याय जोड़ रहा था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार संगठनों ने कोड़े मारने की इस सजा को क्रूर और अमानवीय बताया है। वैश्विक मानवाधिकार सिद्धांतों में शारीरिक यातना और अपमानजनक दंड के लिए कोई स्थान नहीं है। यद्यपि ईरानी प्रशासन पश्चिमी देशों की आलोचनाओं को दोहरे मापदंड कहकर नकारता रहा है, परंतु किसी नागरिक की शारीरिक गरिमा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न भू-राजनीतिक बहसों से कहीं बड़ा है।

यहीं पर कानून और न्याय के मूलभूत अंतर पर विचार करना प्रासंगिक हो जाता है। कानून किसी सत्ता द्वारा निर्मित नियमों का ढाँचा है, जबकि न्याय एक जीवंत नैतिक कसौटी है जो समय के साथ उन नियमों के औचित्य को परखती है। इतिहास साक्षी है कि अनेक ऐसे व्यवहार जिन्हें कभी कानूनन अपराध माना जाता था, मानवीय चेतना के विकास के साथ उन्हें मौलिक अधिकारों के रूप में स्वीकार किया गया। अतः किसी दमनकारी नियम पर प्रश्न उठाना किसी देश या उसकी प्राचीन संस्कृति का अपमान नहीं, बल्कि उसके मानवीय भविष्य के प्रति चिंता का प्रमाण है।

परस्तू और उनके साथियों को मिला दंड केवल चौहत्तर कोड़ों की शारीरिक पीड़ा तक सीमित नहीं है। दो वर्षों तक कला से वंचित रहना किसी कलाकार की आजीविका और उसकी रचनात्मक पहचान पर सीधा आघात है। देश छोड़ने पर रोक उसके भविष्य के मार्ग अवरुद्ध करती है। यह स्थिति इस बात पर गंभीर चिंतन की माँग करती है कि राज्य की शक्ति की सीमा किसी व्यक्ति के निजी जीवन, उसके पेशे और उसकी सृजनात्मकता पर कहाँ जाकर रुकनी चाहिए।

इस पूरे प्रसंग पर विचार करते हुए हमें ईरानी समाज को किसी एक संकीर्ण खाँचे में बाँधने की भूल नहीं करनी चाहिए। वहाँ परंपरावादी और आधुनिक, दोनों तरह की विचारधाराओं को मानने वाले लोग बसते हैं। किसी सरकार के कठोर निर्णयों के लिए उस देश की समस्त जनता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। परस्तू के पक्ष में ईरान के भीतर से ही उठने वाले समर्थन के स्वर इस बात का प्रमाण हैं कि वहाँ का समाज भीतर से कितना विविध और संवेदनशील है।

भारत जैसे बहुलतावादी देश के नागरिकों के लिए भी इस घटना में गहरा संदेश छिपा है। हमारी शक्ति हमारी भाषाई, धार्मिक, सांस्कृतिक और वैचारिक विविधता में निहित है। यह प्रसंग हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि कहीं हम भी अपने आसपास किसी के पहनावे, विचार या कलात्मक अभिव्यक्ति के प्रति असहिष्णु तो नहीं हो रहे हैं। सच्ची स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपनी बात कहने का अधिकार नहीं, बल्कि असहमत स्वर को भी सम्मानपूर्वक सुनने का धैर्य है।

सत्ता के बल पर किसी कलाकार के मंच को तोड़ा जा सकता है, उसके वाद्ययंत्रों को खामोश किया जा सकता है और उसके शरीर को यातना दी जा सकती है। लेकिन जो गीत एक बार श्रोताओं के अंतर्मन में उतर जाता है, उसे किसी भी कोड़े से मिटाया नहीं जा सकता। परस्तू अहमदी का स्वर अब उस पुरानी सराय की सीमाओं को लाँघकर विश्व भर में मानवीय गरिमा का प्रतीक बन चुका है। किसी भी सभ्यता की वास्तविक उन्नति का मापदंड उसकी भौतिक समृद्धि या सैन्य शक्ति नहीं, बल्कि यह है कि वह अपने समाज में निडर होकर गीत गाने वाली एक स्त्री के अधिकारों की रक्षा किस प्रकार करती है।

अखिलेश के प्रण पत्र से कांग्रेस हाईकमान सतर्क



संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात बिछने के साथ ही विपक्षी खेमे यानी 'इंडिया' गठबंधन के भीतर की दरारें अब सतह पर आ गई हैं। राज्य में समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस का गठबंधन इस वक्त दो विपरीत दिशाओं में दौड़ता नजर आ रहा है। एक ओर दोनों दलों का शीर्ष नेतृत्व और वार्ताकार यह दावा कर रहे हैं कि सीटों के बंटवारे पर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही सम्मानजनक समझौता हो जाएगा, वहीं दूसरी ओर दोनों दलों की दूसरी पंक्ति के दिग्गज नेता सार्वजनिक मंचों से एक-दूसरे की सियासी पगड़ी उछालने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हालात इतने तल्ख हो चुके हैं कि गठबंधन के भविष्य को लेकर ही सवाल उठने लगे हैं। सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस आलाकमान यानी गांधी परिवार भी अखिलेश के घोषणा पत्र जारी होने से नाराज बताया जा रहा है। इस सियासी घमासान की सबसे तीखी तस्वीरें पश्चिमी उत्तर प्रदेश से सामने आ रही हैं, जहां सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान और कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है। इमरान मसूद ने सीट बंटवारे में देरी और सपा के रुख पर भड़कते हुए यहां तक कह दिया कि कांग्रेस कोई भीख नहीं मांग रही है और वह सौ सीटों से कम पर समझौता नहीं करेगी। मसूद के इस 'भिखारी' और 'भीख' वाले बयान पर केवल आजम खान ही नहीं, बल्कि सपा की युवा सांसद इकरा हसन ने भी बेहद तीखा पलटवार किया है। इकरा हसन ने मसूद की भाषा पर कड़ी आपत्ति जताते हुए याद दिलाया कि जिन सीटों पर कांग्रेस दावा ठोक रही है, वहां सपा के अपने विधायक और मजबूत जनाधार हैं। वहीं, सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने भी 26 सीटों का प्रस्ताव रखकर कांग्रेस को उसकी सियासी हैसियत का अहसास कराने की कोशिश की, जिस पर कांग्रेस खेमे में भारी नाराजगी है। दूसरी ओर, खुद आजम खान भी अपने बयानों और असदुद्दीन ओवैसी व चंद्रशेखर आजाद के साथ सियासी टकराव को लेकर सुर्खियों में हैं, जिससे गठबंधन के भीतर का माहौल और अधिक उलझ गया है।

सीटों के बंटवारे को लेकर चल रही इस रस्साकशी के बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने कांग्रेस की बेचैनी को कई गुना बढ़ा दिया है। दिल्ली में कांग्रेस नेताओं के साथ सीट-दर-सीट चर्चा का दूसरा दौर खत्म होने के महज कुछ ही घंटों बाद सपा ने अपने पांच प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। इन पांच सीटों में सहारनपुर, शामली, अमरोहा और ललितपुर जैसी वे सीटें शामिल हैं, जिन पर कांग्रेस भी अपनी दावेदारी जता रही थी या जहां सपा के मौजूदा विधायक हैं। इतना ही नहीं, आज 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस के मौके पर अखिलेश यादव ने बिना कांग्रेस को भरोसे में लिए अपनी पार्टी का चुनावी घोषणापत्र भी जारी कर दिया, जिसे सपा ने 'सत्ताईस का संकल्प, पीडीए का प्रणपत्र' यानी 'जन-मन का मैनिफेस्टो' नाम दिया है। इसमें महिलाओं को 40 हजार रुपये सालाना पेंशन, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और पुरानी पेंशन जैसे बड़े वादे किए गए हैं। कांग्रेस के भीतर इस बात को लेकर गहरी नाराजगी है कि जब गठबंधन की बात चल रही है, तो सपा एकतरफा तरीके से न केवल उम्मीदवारों का ऐलान कर रही है, बल्कि अपना अलग घोषणापत्र लाकर यह संदेश भी दे रही है कि उसे कांग्रेस की कोई खास परवाह नहीं है।

सपा की इस आक्रामक और एकतरफा रणनीति की काट के लिए कांग्रेस के नेताओं ने अब 'प्रेशर पॉलिटिक्स' का सहारा लेना शुरू कर दिया है। इमरान मसूद जैसे कांग्रेस के प्रमुख मुस्लिम चेहरों द्वारा बसपा सुप्रीमो मायावती के कसीदे पढ़ना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इसके जरिए कांग्रेस सपा नेतृत्व को यह स्पष्ट संदेश देने की कोशिश कर रही है कि यदि उसे गठबंधन में सम्मानजनक सीटें नहीं मिलीं, तो उसके पास बसपा के साथ हाथ मिलाने का विकल्प खुला है। कांग्रेस का मानना है कि यदि वह मायावती के साथ जाती है, तो दलित और मुस्लिम वोटों का एक नया समीकरण बन सकता है, जो सीधे तौर पर सपा के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले को ध्वस्त कर देगा। इन तमाम अंदरूनी कलह और राजनीतिक दांव-पेच के बीच उत्तर प्रदेश का चुनावी माहौल तेजी से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बनाम अखिलेश यादव के बीच सिमटता नजर आ रहा है। एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विपक्ष के इस बिखराव पर चुटकी लेते हुए 'दो लड़कों की जोड़ी' पर निशाना साध रहे हैं और भाजपा अपनी संगठनात्मक मजबूती व विकास कार्यों के दम पर सीधे मुकाबले का माहौल बना रही है। दूसरी तरफ अखिलेश यादव ने पांच सीटों पर आधिकारिक रूप से प्रत्याशी घोषित करने के साथ-साथ अंदरखाने दर्जनों अन्य सीटों पर अपने मौजूदा विधायकों और मजबूत दावेदारों को तैयारी करने का ग्रीन सिग्नल दे दिया है। सपा की रणनीति साफ है कि वह उन सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार तय कर चुकी है, जहां 2022 के विधानसभा या 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका प्रदर्शन बेहतर रहा था, और वह कांग्रेस को केवल उन्हीं करीब 26 से 30 सीटों तक सीमित रखना चाहती है, जहां सपा कमजोर रही है।

लेकिन यूपी की इस चुनावी बिसात को केवल योगी बनाम अखिलेश के सीधे मुकाबले तक सीमित मानना बड़ी भूल हो सकती है, क्योंकि राज्य में एक मजबूत तीसरा मोर्चा भी आकार ले चुका है। आज 26 नवंबर को संविधान दिवस के ही दिन लखनऊ के विशाल रमाबाई आंबेडकर मैदान में आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' ने एक जबरदस्त महारैली कर अपनी ताकत का एहसास कराया है। इस रैली में उमड़े जनसैलाब ने लखनऊ से लेकर दिल्ली तक के सियासी पंडितों का ध्यान खींचा है। ओवैसी और चंद्रशेखर की यह जोड़ी दलित और मुस्लिम मतदाताओं के बीच दलित-मुस्लिम गठजोड़ के सहारे एक आक्रामक विकल्प के रूप में उभर रही है। यदि यह गठबंधन और बसपा अलग-अलग चुनाव लड़ते हैं, तो भी ये दोनों मिलकर सपा और कांग्रेस के परंपरागत दलित-मुस्लिम वोट बैंक में बड़ी सेंध लगा सकते हैं। रमाबाई पार्क की आज की रैली का उत्साह यह बताता है कि युवा दलित और मुस्लिम वर्ग का एक बड़ा हिस्सा अब पारंपरिक दलों से छिटककर नए नेतृत्व की ओर देख रहा है। यदि सपा और कांग्रेस समय रहते अपने अहं और सीटों के झगड़े को नहीं सुलझाते हैं, तो योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मजबूत मोर्चा बनाने का उनका सपना बिखर सकता है, और इसका सीधा लाभ सत्ताधारी भाजपा को मिल सकता है।

जन्म तो मिल गया, अब जीवन का अधिकार भी मिले



प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

किसी नवजात के लिए मां का दूध केवल आहार नहीं, जीवन की पहली सुरक्षा और स्वस्थ भविष्य की बुनियाद होता है। लेकिन हर बच्चे को जन्म के बाद यह सौभाग्य नहीं मिल पाता। कोई मां प्रसव के बाद गंभीर स्थिति में होती है, कोई शिशु समय से पहले जन्म लेने के कारण मां से अलग अस्पताल में उपचाराधीन रहता है, तो किसी मां के लिए दूध पिलाना संभव नहीं हो पाता। ऐसे बच्चों के लिए किसी दूसरी मां का अतिरिक्त दूध जीवन बचाने का माध्यम बन सकता है। इसी मानवीय आवश्यकता को चिकित्सा व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में जबलपुर के रानी दुर्गावती चिकित्सालय में 24 नवंबर 2026 को 'अमृत कलश' की शुरुआत हुई। यह मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा और महाकौशल क्षेत्र का पहला कॉम्प्रिहेंसिव लैक्टेशन मैनेजमेंट सेंटर है। यह पहल केवल स्वास्थ्य सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि मातृत्व की संवेदना को दूसरे बच्चों तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास है। लगभग 70 लाख रुपये की लागत से तैयार इस केंद्र में स्वस्थ माताओं का अतिरिक्त दूध वैज्ञानिक प्रक्रिया से एकत्र किया जाएगा। आवश्यक जांच और पाश्चुरीकरण के बाद इसे सुरक्षित रूप से जरूरतमंद नवजातों तक पहुंचाया जाएगा। शुरुआत में करीब दस माताओं ने दूध दान किया है और लगभग एक लीटर दूध संग्रहित हुआ है। मात्रा भले ही अभी कम हो, लेकिन इसके पीछे छिपी संभावनाएं बड़ी हैं। विशेषकर समय से पहले जन्मे, कम वजन वाले और बीमार बच्चों के लिए यह व्यवस्था जीवनरक्षक साबित हो सकती है। यहां यह समझना जरूरी है कि दूध दान का अर्थ अपने बच्चे के हिस्से में कमी करना नहीं, बल्कि उसकी जरूरत पूरी होने के बाद उपलब्ध अतिरिक्त दूध को किसी जरूरतमंद शिशु के लिए उपलब्ध कराना है। इस व्यवस्था से उन बच्चों को भी मां के दूध का लाभ मिल सकेगा, जिन्हें परिस्थितियों के कारण यह उपलब्ध नहीं हो पाता। मां के दूध की उपयोगिता केवल प्राकृतिक पोषण तक सीमित नहीं है। इसमें मौजूद एंटीबॉडीज, प्रतिरोधक तत्व और आवश्यक पोषक घटक नवजात को संक्रमण से बचाने तथा उसके शारीरिक और मस्तिष्कीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी मां का दूध उपलब्ध न होने की स्थिति में सुरक्षित तरीके से संसाधित डोनर ह्यूमन मिल्क को बेहतर विकल्प मानता है। इससे विशेषकर समय से पहले जन्मे बच्चों में नेक्रोटाइजिंग एंटरोकोलाइटिस जैसी गंभीर आंतों की बीमारी का खतरा कम होता है। कृत्रिम दूध पोषण का विकल्प जरूर है, लेकिन मां के दूध में मौजूद जैविक सुरक्षा तत्वों की पूरी भरपाई नहीं कर सकता। भारत में हर वर्ष लाखों बच्चे समय से पहले जन्म लेते हैं। ऐसे शिशुओं को पर्याप्त पोषण न मिलना उनके जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन जाता है। मिल्क बैंक इस चुनौती से निपटने की महत्वपूर्ण व्यवस्था हैं। देश के दूसरे हिस्सों में संचालित मिल्क बैंक इस व्यवस्था की उपयोगिता प्रमाणित कर चुके हैं। बेंगलुरु के वाणी विलास अस्पताल में 'अमृतधारे' मिल्क बैंक ने वर्ष 2022 से अब तक 3,612 नवजातों को लाभ पहुंचाया है। यहां 3,982 से अधिक माताओं ने 863 लीटर दूध दान किया। इंदौर के महाराजा तुकोजीराव महिला अस्पताल में वर्ष 2023 में शुरू हुए मिल्क बैंक से एक हजार से अधिक बच्चों को लाभ मिला। वहां एक हजार से अधिक माताओं ने 210 लीटर दूध दान किया और नवजात मृत्यु दर 25 प्रतिशत से घटकर 11 प्रतिशत या उससे कम होने की उपलब्धि दर्ज की गई। गुजरात के छह सरकारी मिल्क बैंक 18 वर्षों में 17,025 लीटर दूध एकत्र कर 47,579 बच्चों तक पहुंचा चुके हैं। तमिलनाडु के 36 मिल्क बैंक प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक जरूरतमंद शिशुओं की सेवा कर रहे हैं। दिल्ली के एम्स में 'पयोधि' और अमारा नेटवर्क जैसे प्रयास भी इस दिशा में योगदान दे रहे हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि सुनियोजित व्यवस्था हजारों बच्चों के जीवन की दिशा बदल सकती है।

इस पहल का सबसे संवेदनशील पक्ष उन माताओं का योगदान है, जो अपना बच्चा खो देने के असहनीय दुख के बावजूद दूध दान करती हैं, ताकि किसी दूसरे परिवार का बच्चा जीवन पा सके। कई माताएं अपने शिशु की जरूरत पूरी होने के बाद बचा हुआ दूध अनजान बच्चों के लिए समर्पित करती हैं। यह दान किसी परिचय, रिश्ते या प्रतिफल की अपेक्षा नहीं रखता। एक मां दूसरी मां की विवशता को समझते हुए अपने वात्सल्य का विस्तार करती है। यहां अपना-पराया, जाति-धर्म और सामाजिक पहचान जैसे भेद अप्रासंगिक हो जाते हैं। एक मां का दूध जब किसी दूसरे के बच्चे को जीवन देता है, तब मातृत्व की उदारता अपने सबसे व्यापक रूप में दिखाई देती है।

राजस्व एवं विकास कार्यों में सीएम डैशबार्ड पर ललितपुर पाँचवे पायदान पर

इडीएम ने प्रगति में सुधार और समय से निर्माण पूरा करने का अल्टीमेटम दिया



ललितपुर। सीएम डैशबोर्ड की बैठक लेते डीएम।

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्यप्रकाश ने गुरूवार को कलैक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं के साथ मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के अंतर्गत सीएमआईएस पोर्टल पर जनपद की विकास परियोजनाओं समीक्षा की और पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को हैण्डओवर करने तथा अपूर्ण परियोजनाओं को आगामी दिसम्बर माह में हर हाल में पूर्ण कराकर जनता को समर्पित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने विकास परियोजनाओं में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं को आगामी माह का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगले माह तक प्रगति सुधारें अन्यथा कार्यवाही की जाएगी। बताया गया कि सीएमआईएस पोर्टल पर जनपद की कुल 309 परियोजनाओं में से 193 पूर्ण हो चुकी हैं, इसके अलावा 116 परियोजनाएं समय सीमा के भीतर निर्माणाधीन हैं। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिये कि अपूर्ण योजनाओं में विभाग से आपसी समन्वय करते हुए कार्य को तेजी से आगे बढ़ायें और यदि शासन स्तर से कोई धनराशि या स्वीकृति लंबित है तो हमारे स्तर से पत्राचार करायें। उन्होंने कहा कि जनपद की विकास परियोजनाएं यदि किसी की शिथिलता के कारण लबिंत रहती हैं तो सम्बंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने विकास परियोजनाओं में बाधक बन रहे भूमि विवादों की समीक्षा करते हुए करमुहारा में प्रस्तावित विद्यालय के निर्माण हेतु उप जिलाधिकारी सदर को दूरभाष पर निर्देशित करते हुए कहा कि समस्या का निस्तारण कराकर निर्माण कार्य जल्द से जल्द कार्य शुरू कराया जाए। उन्होंने जिले के महत्वाकांक्षी विकास खण्ड मड़ावरा में शासन द्वारा निर्धारित इंडीकेटर्स की समीक्षा की और निर्देश दिये कि जिले की हर विकास परियोजनाओं और सरकारी योजनाओं का आच्छादन मड़ावरा ब्लॉक में अधिक से अधिक होना चाहिए। इसकी निगरानी शासन स्तर से सीधे की जाती है, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश नहीं है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.वीरेन्द्र सिंह, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल सहित विद्युत, जल, सिंचाई, लोक निर्माण विभाग, उद्योग आदि विभागों से सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत की भूमि और खेत के रास्ते पर कब्जे का आरोप

ललितपुर। शहर के मोहल्ला चौबयाना-रावतयाना निवासी एक विधवा महिला ने जिला पंचायत की सरकारी भूमि और स्वीकृत रास्ते पर कथित अवैध कब्जा किए जाने का आरोप लगाया है।

विगत दिवस पीड़िता समीना बानो पत्नी स्व.अफसर ने बताया कि उनकी कृषि भूमि आराजी संख्या 322 पर खेती होती है। खेत तक पहुंचने के लिए जिला पंचायत की स्वीकृति से आराजी संख्या 323 मि. पर रास्ता तैयार कराया जा रहा है। आरोप है कि आराजी संख्या 321 और 319 से जुड़े कुछ लोगों ने जिला पंचायत की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर पक्का निर्माण शुरू कर दिया है। पीड़िता का कहना है कि अतिक्रमण हटवाने के संबंध में अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत की ओर से 4 नवंबर और 18 नवंबर को कोतवाली सदर पुलिस को पत्र एवं आदेश भेजे गए थे, लेकिन इसके बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। आरोप है कि 24 नवंबर की सुबह संबंधित लोगों ने उनके खेत पर जाने वाले स्वीकृत रास्ते को अवरुद्ध कर दिया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उनके साथ गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। इससे उनका परिवार भयभीत है और खेत तक पहुंचने में परेशानी हो रही है।

पिपरा में बाबा साहब की प्रतिमा व स्थल विकास कार्य का विधायक ने किया शिलान्यास

सम्राट अशोक महान प्रवेश द्वार का किया उद्घाटन



ललितपुर। भूमि पूजन व शिलान्यास करते सदर विधायक।

ललितपुर। सदर विधायक रामरतन कुशवाहा एडवोकेट ने गुरुवार को विकासखंड जखौरा के ग्राम पिपरा में आयोजित कार्यक्रम में बाबा साहब डा.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा एवं स्थल विकास कार्य का विधिवत शिलान्यास और भूमिपूजन किया। यह कार्य डा.बीआर अंबेडकर मूर्ति विकास योजना के अंतर्गत कराया जाएगा।

सदर विधायक ने इस दौरान उन्होंने सम्राट अशोक महान प्रवेश द्वार का फीता काटकर उद्घाटन भी किया। विधायक ने कहा कि बाबा साहब डा.भीमराव अंबेडकर के विचार सामाजिक समानता, न्याय और सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। उनके आदर्श सदैव समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। सभी का दायित्व है कि उनके विचारों को आत्मसात करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान और उत्थान के लिए निरंतर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि ग्राम पिपरा में बाबा साहब की प्रतिमा एवं स्थल का विकास तथा सम्राट अशोक महान प्रवेश द्वार का निर्माण गांव की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान को और मजबूत करेगा। कार्यक्रम में बलराम लोधी, महेंद्र झा, अनुपम, बुद्धसिंह बुंदेला, बाबूलाल, विजय सिंह, पुनीत सिंह, नीरज पटेरिया सहित खंड विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, अधिशासी अभियंता आरईएस, एसडीएम तालबेहट, क्षेत्राधिकारी तालबेहट, एसडीओ विद्युत एवं एबीएसए तालबेहट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

तालबेहट में लगाई जनचौपाल, बाँटे स्वीकृति पत्र

विधायक ने विकासखंड तालबेहट के सभागार में आयोजित जनचौपाल में पहुंचकर नागरिकों की समस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं का प्राथमिकता और समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि जनचौपाल का उद्देश्य जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनना और उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। जनहित से जुड़े मामलों में अधिकारी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करेंए जिससे पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। जनचौपाल के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। साथ ही मातृशक्ति को सम्मानित किया गया। इस मौके पर महिलाओं के सम्मान और शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी बाँटे गये।

संविधान कराता मौलिक अधिकारों के साथ जिम्मेदारी का बोध

गुरुदीन महाविद्यालय में मनाया संविधान दिवस



ललितपुर गोष्ठी को सम्बोधित करते डायरेक्टर।

ललितपुर। पहलवान गुरुदीन प्रशिक्षण महाविद्यालय पनारी में गुरुवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक संगोष्ठी में प्रबंध निदेशक डॉ.सौरभ यादव ने कहा कि संविधान दिवस हमें स्वतंत्र भारत के नागरिक होने का गौरव महसूस कराने के साथ संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों की याद दिलाता है और जिम्मेदारियों का भी बोध कराता है। हमें संविधान में निहित अधिकारों के प्रति जागरूक रहते हुए अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। प्राचार्य डॉ.महेश कुमार झा ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों एवं मूल कर्तव्यों की जानकारी होनी चाहिए। भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्रदान करता है। डॉ.विनोद यादव ने अ कहा कि देश में समानता एवं सामाजिक न्याय की भावना को मजबूत किया जाना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक रमाकांत सिंह ने कहा कि संविधान देश की शासन व्यवस्था का आधार है। संगोष्ठी में बताया गया कि भारतीय संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंगीकृत किया था। वक्ताओं ने कहा कि संविधान हमें मौलिक अधिकारों के माध्यम से अपने हक और सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करता है। प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के साथ अपने कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। इस दौरान महाविद्यालय के उपप्राचार्य रामलाल रैकवार, सहायक प्रोफेसरगण हरिओम शरण सेन, नसीम खान, सतीश सोनगिरकर, संदीप यादव, सरिता श्रीवास्तव, शिबा आफरीन, भागचंद कुशवाहा, साहिबा, शोभाराम बाबूजी, गोपाल यादव, जगत झा व विद्यार्थी मौजूद रहे।

जनपद में विभिन्न आयोजनों के साथ मनाया संविधान दिवस

- लखनऊ से सीएम के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया
- बैठक में पढ़ी गयी संविधान की उद्देशिका, दिलाई संविधान की शपथ



ललितपुर। संविधान की शपथ दिलाते अधिकारी।

ललितपुर। गुरुवार 26 नवम्बर को संविधान दिवस के अवसर पर जनपद में विभिन्न सरकारी कार्यालयों में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब डॉ.भीमराव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठ कराया तथा संविधान के प्रति निष्ठाए सम्मान एवं उसके मूल आदर्शों के अनुपालन की शपथ दिलाई।

इस दौरान लखनऊ में मुख्यमंत्री जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। स्थानीय विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त जनपद की समस्त तहसीलों एवं अन्य सभी शासकीय कार्यालयों में भी संविधान दिवस मनाते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा संविधान की उद्देशिका का पाठ किया गया तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इस दौरान आयोजित गोष्ठियों एवं कार्यक्रमों में भारतीय संविधान की महत्ताए उसकी प्रस्तावना में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समता एवं बंधुता के आदर्शों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही संविधान निर्माण में भारत रत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव आंबेडकर की ऐतिहासिक एवं अतुलनीय भूमिकाए उनके संघर्षपूर्ण जीवनए सामाजिक समानता के लिए किए गए प्रयासों तथा राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान से उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया। बाल विवाह मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें जिलाधिकारी सहित सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने हस्ताक्षर कर अभियान में अपनी सहभागिता निभाई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, अपर जिलाधिकारी वित्त दिनेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अशोक कुमार, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी नन्दलाल सिंह सहित कलैक्ट्रेट के अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

आम आदमी पार्टी ने स्थापना दिवस मनाया

ललितपुर। आम आदमी पार्टी का स्थापना दिवस गुरुवार को जिला कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अध्यक्षता पार्टी जिलाध्यक्ष हरदयाल सिंह लोधी एडवोकेट ने की। इस दौरान अध्यक्ष ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने तथा जनसेवा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दिलाया। जिलाध्यक्ष ने पार्टी की स्थापना, विचारधारा और उद्देश्यों की जानकारी दी। बताया कि आम आदमी पार्टी का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं को उठाना लोगों के अधिकारों की आवाज बुलंद करना और जनसेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल एवं संजय सिंह के नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफपार्टी द्वारा किए जा रहे संघर्ष का उल्लेख किया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पार्टी के उद्देश्यों के अनुरूप जनहित में कार्य करने और जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को उठाने का संकल्प दोहराया। इस दौरान रमेश कुमार, प्रमोद कुमार, मीना, हरीबाई राजपूत, महेंद्र पाराशर, कैलाश नारायण, अनुराग सिंह, शशिकान्त सिंह, शैलेंद्र सिंह, रामकिशोर पाल, राकेश राजपूत, रामप्यारी, सगुन, संतोष कुशवाहा, जयहिन्द यादव एवं हरप्रसाद राजपूत आदि मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा :चालक-परिचालकों को दी नियम पालन की सीख

ललितपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत गुरुवार को स्थानीय बस स्टैंड पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बस, ट्रक, ऑटो, ई-रिक्शा और टैक्सी चालकों के साथ विभिन्न वाहन यूनियनों के पदाधिकारियों को सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य सचिव के 5 नवंबर 2026 को जारी पत्र के अनुपालन में 16 नवंबर से 30 नवंबर तक संचालित सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में एआरटीओ प्रवर्तन आकिब खुर्शीद ने चालकों और परिचालकों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रत्येक वाहन चालक को यातायात नियमों का गंभीरता से पालन करना चाहिए। वाहन चलाते समय लापरवाही न बरतें और अपनी सुरक्षा के साथ सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। इस दौरान यात्रीकर अधिकारी लिली चौधरी सहित बस यूनियन के पदाधिकारी अवधेश कौशिक, अशोक साहू, महेंद्र कुमार जैन, मोहम्मद रिजवान और मोहम्मद उमर मौजूद रहे। ऑटो-टैक्सी एवं ई-रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष छोटेलाल साहू सहित विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारी, परिवहन विभाग के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में चालक-परिचालकों ने सहभागिता की।

शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने की मुहिम शुरू

- तुवन चौराहा के पास है दुकानदारों ने किया सरकारी फुटपाथ पर कब्जा
- जिलाधिकारी के आदेश पर एसडीएम सदर व ईओ ने हटवाया



ललितपुर। अवैध कब्जा हटवाने आये ईओ व एसडीएम।

ललितपुर। शहर के हृदयस्थल तुवन चौराहा से डीएम आवास और कलेक्ट्रेट जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित आरके फोटो स्टैट के सामने फुटपाथ पर अवैध कब्जा हटवाया गया।

तुवन चौराहे के पास होटल आर्यन इन के सामने वाली सड़क पर सरकारी फुटपाथ पर पक्का निर्माण और विभिन्न प्रकरण की लाइट्स लगवाकर कब्जे का प्रयास किया गया था। जिसकी शिकायत गुरूवार को जिलाधिकारी के समक्ष पत्रकारों ने की थी। इस पर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने सरकारी जमीन और फुटपाथ पर अवैध कब्जे को हटवाने के लिए त्वरित कार्यवाही की। उन्होंने उप जिलाधिकारी सदर मदन मोहन गुप्ता एवं ईओ नगर पालिका दिनेश कुमार विश्वकर्मा को संयुक्त रूप से निर्देशित करते हुये तत्काल मौके पर पहुंच कर अवैध कब्जा हटवाने, पक्का निर्माण तोड़ते हुये सरकारी जमीन व फुटपाथ से मुक्त कराने के आदेश जारी किये। आदेश मिलते ही उप जिलाधिकारी सदर मदन मोहन गुप्ता एवं ईओ नगर पालिका दिनेश कुमार विश्वकर्मा दलबल के साथ मौके पर जा पहुंचे। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने देखा कि फुटपाथ से लगी सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से पक्का निर्माण करते हुये सीमेंट लगाकर पत्थर लगाये जा रहे हैं। यह देखकर अधिकारियों ने डीएम के आदेश पर अमल करते हुये तत्काल दुकान के बाहर लगे सामान को हटा दिया। इसके अलावा सीमेंट से पत्थर लगाने के कार्य को भी रोक दिया। कार्यवाही होते देख दुकानदार ने अधिकारियों से लिखित में दो घण्टे का समय भी मांगा, जिस पर अधिकारियों ने समय देते हुये दो घण्टे बाद फिर से जाँच करने के निर्देश दिये। यहाँ आमजन ने शहर भर में फैले अतिक्रमण पर ध्यान आकर्षित कराते हुए कार्यवाही की माँग भी की।

एसपी ने दिलाई संविधान की प्रस्तावना की शपथ

- थानों और रिजर्व पुलिस लाइन में भी हुआ आयोजन



ललितपुर। संविधान प्रस्तावना की शपथ दिलाते एसपी।

ललितपुर। संविधान दिवस पर गुरुवार को एसपी संजीव कुमार बाजपेई ने पुलिस कार्यालय में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराते हुए संविधान के प्रति निष्ठा और संवैधानिक मूल्यों के पालन की शपथ दिलाई।

एसपी ने उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। इसमें भारत को सम्पूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष एवं लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने तथा सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्यायए, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा एवं अवसर की समानता सुनिश्चित करने के संवैधानिक संकल्प को दोहराया गया। साथ ही व्यक्ति की गरिमा तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। पुलिसकर्मियों ने संविधान में निहित आदर्शों एवं मूल्यों के अनुरूप अपने पदीय दायित्वों का पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ निर्वहन करने की प्रतिबद्धता भी जताई। जिले के समस्त थानों एवं रिजर्व पुलिस लाइन में भी संविधान दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए। संबंधित थाना प्रभारियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में पुलिसकर्मियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया और संवैधानिक मूल्यों के सम्मान तथा अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने की शपथ ली।

यातायात पुलिस ने छात्राओं को किया जागरूक

सड़क सुरक्षा के नियम बताये, पीएम राहत और राहवीर योजना की जानकारी दी



ललितपुर। सुरक्षा नियमों की जानकारी दते यातायात प्रभारी निरीक्षक।

ललितपुर। यातायात माह नवंबर के तहत गुरुवार को यातायात पुलिस की ओर से नगर पालिका इंटर कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान छात्राओं और विद्यालय स्टाफ को यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया। केंद्र सरकार की पीएम राहत योजना, राहवीर योजना और डिजिलॉकर ऐप के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देश एवं एएसपी कालू सिंह के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक यातायात आलोक कुमार तिवारी ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रत्येक नागरिक को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। वाहन कभी भी गलत दिशा में न चलाएं और दोपहिया वाहन पर तीन सवारियां बैठाने से बचें। इसके अलावा सड़क पर स्टंटबाजी न करने की भी अपील की गई। अभियान के दौरान छात्राओं को राहवीर योजना के बारे में बताया गयाए जिसके तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद कर अस्पताल पहुंचाने वाले नेक व्यक्ति को प्रोत्साहित किया जाता है। वहीं पीएम राहत योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार की सुविधा तथा हिट एंड रन मामलों में सरकार की ओर से मिलने वाली आर्थिक सहायता की जानकारी भी दी गई। डिजिलॉकर ऐप के उपयोग और उसमें जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखने के बारे में बताया गया। अंत में छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को यातायात नियमों से संबंधित पंपलेट वितरित कर सड़क सुरक्षा के प्रति स्वयं जागरूक रहने और अपने परिजनों को भी जागरूक करने की अपील की गई।

न्यूज ब्रीफ

हेल्पलाइन नंबर मे फोन कर ले सकते है जानकारी

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी चन्द्र शेखर ने बताया कि अर्हता एक जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षित पुनरीक्षण में आलेख्य प्रकाशन की तिथि से मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की तिथि तक डिस्ट्रिक्ट कान्टेक्ट सेन्टर (डीसीसी) कलेक्ट्रेट स्थित आपदा नियंत्रण कक्ष में योजित कर संचालित कराया जा रहा है। डिस्ट्रिक्ट कान्टेक्ट सेन्टर का टेलीफोन संख्या-05198-298090, तथा टोलफी नम्बर 1950 है, जो प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक कियाशील है। डिस्ट्रिक्ट कान्टेक्ट सेन्टर (डीसीसी) का ज्योति सिह उप जिलाधिकारी (न्यायिक) कर्वी को नोडल अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट कान्टेक्ट सेन्टर (डीसीसी) नामित किया है।

सामूहिक विवाह मे 173 जोडो ने एक दूसरे का थामा हांथ



चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल, पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा, अध्यक्ष कोऑपरेटिव बैंक पंकज अग्रवाल ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत विधानसभा मऊ-मानिकपुर सीपी गौतम महाविद्यालय देउधा रामनगर परिसर में 173 वैवाहिक जोड़ों का विवाह संपन्न कराया। जिला समाज कल्याण अधिकारी वैभव त्रिपाठी ने बताया कियोजनान्तर्गत प्रति जोड़ा 1,00,000 व्यय किये जाने की व्यवस्था है। आवेदन के लिये कन्या के अभिभावक उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हों। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय सीमा अधिकतम 3 लाख तक हो। विवाह के लिये कन्या की आयु न्यूनतम 18 वर्ष तथा वर की आयु न्यूनतम 21 वर्ष हो।

युवती ने सूने घर मे फांसी लगाकर दी जान

चित्रकूट। राजापुर तहसील के नहरा गांव में बुधवार की दोपहर को सूने घर में 18 वर्षीय युवती ने फंदा लगाकर जान दे दी। शाम को घर लौटी मां व भाई ने कमरे में उसे देख चीख पड़े। स्वजन के अनुसार घटना के कारण की जानकारी नहीं हुई है। नहरा ग्राम पंचायत के रामनगर मजरा निवासी शिवम तिवारी ने बताया कि उसके पिता विनोद लुधियाना में प्राइवेट नौकरी करते हैं। बुधवार की दोपहर को वह मां नीलम के साथ खेत गया था। घर में अकेली बहन खुशी तिवारी थी। शाम को जब वह मां के साथ लौटा तो मां ने खाना बनाने के लिए बहन को कई बार आवाज दी। कोई आवाज न आने पर दोनों उसके कमरे के पास पहुंचे तो दरवाजा खुला था और बहन फंदे पर लटकी थी। पास में उसका मोबाइल स्विच आफ रखा था। एक भाई व इकलौती बहन थी।

गांव की शराब दुकान हटाने को लेकर ग्रामीणो का धरना

चित्रकूट। राजापुर तहसील क्षेत्र के मुहरवा गांव में शराब की दुकान हटाने की मांग को लेकर सैकड़ों ग्रामीणो ने बुधवार को तहसील परिसर में धरना दिया। ग्रामीण दुकान हटाने की मांग पर अड़े रहे।

धरने मे बैठी महिलाओं ने कहा कि गांव में शराब की दुकान से घर-परिवार का माहौल बिगड़ रहा है। युवाओं में नशे की लत बढ़ रही है, आए दिन झगड़े व मारपीट की घटनाएं हो रही हैं। बच्चों की पढ़ाई और महिलाओं की सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है। धरने की सूचना पर उपजिलाधिकारी राजापुर और आबकारी विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने साफ कहा कि शराब की दुकान हटेगी, तभी धरना समाप्त होगा। जब पूरा गांव एकजुट होकर मांग कर रहा है, तो प्रशासन को जनहित में ठोस निर्णय लेना चाहिए।

धर्मनगरी मे एक स्वर, एक संविधान का गूंजा नारा

सीआईसी मे विद्यार्थियो ने पढी संविधान की प्रस्तावना



चित्रकूट। संविधान की प्रस्तावना का पाठ करती न्यायाधीश

चित्रकूट। संविधान दिवस पर गुरुवार को चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी प्रांगण मे एक स्वर, एक संविधान कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अपर जिला जज रेनू मिश्रा ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए बहुत ही गौरव का दिन है। 26 नवंबर 1949 को हमारे संविधान को अपनाया गया था। यह वही संविधान है, जिसने हर नागरिक को बराबर का अधिकार दिया, चाहे वह अमीर हो या गरीब, किसी भी जाति-धर्म का हो। उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है, यह भारत की आत्मा है। इसमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के जो मूल्य दिए गए हैं, वही हमारे देश की असली ताकत हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने कहा कि इस कार्यक्रम में केवल चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी ही नहीं, बल्कि जिले के कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी सहभागिता की। जनपद के सभी विद्यालयों में एक ही समय पर प्रस्तावना का पाठ किया गया। सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण इला चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संविधान के मूल्यों एवं आदर्शों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। गीतकार राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षक लालमन ओझा, डॉ प्रदीप सिंह, प्रो रामगोपाल दुबे, रामबचन सिंह, एनसीसी अधिकारी सुनील शुक्ला, ऋषि कुमार शुक्ला, रामेश्वर प्रसाद प्रजापति, डॉ ज्ञानेंद्र, चौधरी शंकर प्रसाद यादव, रमेश सिंह डॉक्टर आलोक शुक्ला आदि सहित हजारों छात्र छात्राएं व एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर मूर्ति स्थल का डीसीबी चेयरमैन ने किया शिलान्यास



चित्रकूट। संविधान दिवस पर धर्मनगरी में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर मूर्ति विकास योजना के अंतर्गत मूर्ति स्थल के सौंदर्यीकरण के लिये आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम का भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल, सीडीओ डीपी पाल, एडीएम नमामि गंगे स्वप्निल कुमार ने किया। डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने कहा कि यह पहल बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों, आदर्शों एवं सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय संविधान हमें समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं बंधुत्व का संदेश देता है। आइए, संविधान में निहित मूल्यों को आत्मसात कर एक सशक्त, समरस एवं विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

धूमधाम के साथ मनाया गया भारतीय संविधान दिवस



मऊरानीपुर (झाँसी) नगर में भारतीय संविधान दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें सर्वप्रथम डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भारतीय संविधान के बारे में गहरा प्रकाश डाला गया। जिसके चलते संविधान के बारे में वक्ताओं ने अपने सम्बोधन में बताया गया कि आज हम लोग जो दिवस मना रहे है। जिसको आज हम लोग बढे उत्साह के रुप में मना रहे है। जिसके चलते संविधान को बनाने वाले डॉ. भीमराव अम्बेडकर को भी याद किया गया। उन्होनें बताया कि 26 नवम्बर 1949 को ही भारतीय संविधान सभा की तरफ से इसे अपनाया गया था। और 26 नवम्बर 1950 को इसे लोकतांत्रिक सरकार प्रणाली के साथ लागू किया गया था। यह दुनिया का सबसे बडा संविधान है। भारत के संविधान में 448 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ और 94 संशोधन शामिल है। यह हस्तलिखित संविधान है। जिसमें 48 आर्टिकल है। इसे तैयार करने में 2 वर्ष 11 महीने 17 दिन का समय लगा था। भारतीय संविधान की स्वीकृति से एक दिन पहले 25 नवम्बर 1949 को जब संविधान सभा अपनी कार्यवाही पूरी कर रही थी। तभी डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने एक भाषण दिया था । जो इस भाषण के अन्त में उन्होनें भविष्य के लिये तीन चेतावनी भी दी थी। इसी के चलते उनके जीवन के बारे में लोगों को अवगत कराया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में दीनदयाल साहू पार्षद, राजेन्द्र राहुल, बृजबिहारी राज, राकेश श्रीवास, हदेश कुमार, रामकिशोर आर्य आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर बड़्स एन ब्लूम्स में हिंदी भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



गुरसराय। नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय बड़्स एन ब्लूम्स में 26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर हिंदी भाषण प्रति योगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी वक्तृत्व कला, आत्मविश्वास एवं विचार अभिव्यक्ति की अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को उनकी कक्षा के अनुसार समसामयिक एवं प्रेरणादायक विषय दिए गए। कक्षा 7 के विद्यार्थियों के लिए च्स्वच्छता केवल अभियान नहीं, संस्कार भी हैज, कक्षा 8 के लिए च्राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिकाज तथा च्मातृभाषा हिंदी का महत्वज विषय निर्धारित किए गए थे। सभी प्रतिभागियों ने अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में निर्णायक मंडल एवं मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रधानाचार्य के.के. तिवारी, पूर्व प्राचार्य मेजर अखिलेश पिपरैया, पूर्व प्राचार्य खैर इंटर कॉलेज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की साथ ही निर्णायक की भूमिका में भी उपस्थित रहे।

अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे-

कक्षा 7- प्रथम स्थान स्तुति गुप्ता, द्वितीय स्थान अंश एवं भूमिका पटेल तथा तृतीय स्थान अंशुका पटेल ने प्राप्त किया।

कक्षा 8- प्रथम स्थान अल्फिया, अंश त्रिपाठी द्वितीय स्थान प्रीशा गुप्ता तथा तृतीय स्थान देव पटेल ने प्राप्त किया।साथ ही ब वर्ग में प्रथम स्थान सौम्या पटेल, छवि ठाकुरद्वितीय स्थान उत्कर्ष सिंह सेंगर तथा तृतीय स्थान राज पंचाल ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती नीरज पाठक द्वारा किया गया। विद्यालय के प्रबंधक पुरुषोत्तम पटेल ने सभी अतिथियों, निर्णायक मंडल, प्रतिभागियों एवं उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषण कला के माध्यम से अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर देना, उनके मन से मंच का भय एवं झिझक दूर करना तथा उनमें आत्मविश्वास, तार्किक क्षमता और सामाजिक विषयों के प्रति जागरूकता विकसित करना है।कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। विद्यार्थियों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन एवं सभी के सहयोग से प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। दोनों अतिथियों ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया एवं विद्यालय भवन एवं परिसर का निरीक्षण कर विद्यालय परिवार को सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं दी।

सेतु पुल के निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम सम्पन्न



मऊरानीपुर (झाँसी) विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले पठगुंवा में सुखनई नदी पर लगभग 18 करोड रुपये की लागत से बनने वाले सेतु पुल के निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसके मुख्य अतिथि पप्पू सेठ विधायक प्रतिनिधि मऊरानीपुर रहे। मुख्य अतिथि के कर कमलों से शिलान्यास कर लोगों को बडी राहत दी गयी। इस अवसर पर पप्पू सेठ ने कहा कि इस सेतु पुल के निर्माण से लगभग 12 गाँवों की 40 हजार से अधिक आबादी को आवागमन में बडी राहत मिलेगी तथा वर्षो से चली आ रही परेशानियों का समाधान होगा। इस अवसर पर प्रमुख रुप से एमएलसी प्रतिनिधि आर. पी. निरंजन, अरुण सिंह पठा, शीलू प्रधान, संजीव चतुर्वेदी, सचिन तिवारी, भवानी सिंह, राहुल यादव, हरि सिंह यादव, मानसिंह राठौर, भगवत साहू, देवेन्द्र यादव, जयराम अहिरवार, विजय, भानसिंह, राजकुमार दुबे, शौकत खान, नम्मी अहिरवार आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

सामुदायिक शेड का विधायक प्रतिनिधि ने किया उद्घाटन



मऊरानीपुर (झाँसी) विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत सामुदायिक शेड का धमना खुर्द में उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि पप्पू सेठ के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर पप्पू सेठ ने कहा कि यह सामुदायिक शेड सामाजिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिये उपयोगी साबित होगा। और ग्रामवासियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध करायेगा। इसी के चलते उन्होने कहा कि आप सभी का स्नेह, विश्वास और सहयोग ही जनसेवा के संकल्प को निरन्तर मजबूती प्रदान करता है। इस अवसर पर मानसिंह राठौर, भगवत साहू आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विधालय का भूमि पूजन एवं लोकगीत कार्यक्रम सम्पन्न

मऊरानीपुर (झाँसी) मऊरानीपुर विधानसभा को एक और विकास की बडी सौगात जिसका भूमि पूजन कार्यक्रम मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विधालय जिसकी लागत 23.96 करोड रुपये है। कार्यक्रम कंचनपुरा (मऊदेहात) में आयोजित हुआ। जिसके मुख्य अतिथि अनुराग शर्मा साँसद झाँसी- ललितपुर रहे व अध्यक्षता डॉ. रश्मि आर्य पप्पू सेठ विधायक मऊरानीपुर ने की। इस अवसर पर साँस्कृतिक कार्यक्रम लोकगीत का आयोजन भी किया गया। इस सौगात से ग्रामीणों में खुशी जोरदार देखी गयी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक गिरि, ब्लॉक प्रमुख मऊरानीपुर आनन्द सिंह परिहार, महेन्द्र पाठक, जयशंकर देवलिया, रोहित सोनी नगर अध्यक्ष भाजपा, आयुष श्रीवास पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि, अशोक सिंह परमार, आर के अहिरवार, वीरेन्द्र अग्रवाल, भज्जू खरका, प्रमोद चतुर्वेदी, अवधेश निरंजन, चित्रा दीदी, अशोक सिंह, देवेन्द्र पटेल, सुभाष सोनी, श्याम बाबू दीक्षित, कल्पना सिंह, मुकेश अग्रवाल, मोनू मौर्य, मुकेश पटेल, राजेन्द्र सिंह चौहान, प्रेमपाल श्रीवास्तव, गुड्डू मिस्त्री प्रधान, दीपू पटसारिया आदि तमाम लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन दीपक कठिल ने किया।

मतदाता जोडो घर- घर सम्पर्क अभियान के तहत किया जागरुक

मऊरानीपुर (झाँसी) भारतीय जनता पार्टी के द्वारा मतदाता जोडो घर- घर सम्पर्क अभियान के तहत शक्ति केन्द्र संयोजक सुरेश जगरिया एवं बूथ अध्यक्षों के साथ फार्म 6 भरकर नये मतदाताओं को जोडा और बूथ अध्यक्ष अखिलेश गुप्ता के निवास पर बूथ अध्यक्ष नेम प्लेट को लगाकर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर अनुराग शर्मा साँसद झाँसी- ललितपुर, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल, जयशंकर देवलिया, रोहित सोनी नगर अध्यक्ष भाजपा, आयुष श्रीवास पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि, राजेन्द्र राहुल, दिनेश राजपूत आदि के साथ समस्त मण्डल के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्त्ताओं की मौजूदगी रही।

पूर्व अध्यापक के निधन पर हुई शोक सभा

गुरसरांय। बीआरसी पर एक शोक सभा खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती प्रीति राजपूत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें कम्पोजिट विद्यालय लखावती के सहायक अध्यापक अरविंद साहू के पिता स्व0 ग्यासीलाल साहू (सेवानिवृत्त शिक्षक) के आकस्मिक निधन पर दुःख व्यक्त किया।

शोक सभा में अविनाश गोस्वामी, इन्द्रपाल सिंह, राजेश त्रिपाठी, उमाशंकर शर्मा, गोविन्द निरंजन, अश्नेन्द्र तिवारी, अनिल मिश्रा, सुनील नगाइच (लेखाकार), धर्मेन्द्र शर्मा, जयसिंह नापित, विपिन, शिवांगी जैन, गीता सोनी, निशा समाधिया, पूजा सक्सेना, धनेन्द्रवर्मा, आदि उपस्थित रहे।

नहर रिसाव से बर्बाद फसलो का अधिकारियो ने किया निरीक्षण



चित्रकूट। तहसील मानिकपुर के अंतर्गत माड़ो बांध की मुख्य नहर से हुए जल रिसाव के कारण किसानों की धान फसल बर्बाद होने को लेकर बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा ने जिला प्रशासन से जवाबदेही तय करने और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की थी। गौरतलब है कि माड़ो बांध की मुख्य नहर के किलोमीटर 3.700 पर बाई पटरी से जल रिसाव होने के कारण आसपास के किसानों के खेतों में पानी पहुंच गया था। इस संबंध में जिलाधिकारी के आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर विभाग की ओर से जवाब दिया गया था कि जूनियर इंजीनियर द्वारा मौके पर पहुंचकर रिसाव बंद करा दिया गया है तथा किसानों को मुआवजा देने का कोई प्रावधान नहीं है। विभाग के इस जवाब के बाद बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा ने सवाल उठाया था। इस मामले को लगातार उठाए जाने के बाद प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए नायब तहसीलदार मानिकपुर एवं संबंधित लेखपाल को मौके पर भेजा। अधिकारियों ने प्रभावित खेतों का स्थलीय निरीक्षण किया तथा किसानों से बातचीत कर नुकसान की जानकारी ली। इस दौरान प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने के संबंध में आश्वासन दिया गया।

मैन पॉवर बढाकर अवशेष कार्यो मे लाये तेजी

एडीएम नमामि गंगे ने जल जीवन मिशन कार्यो की ली समीक्षा बैठक



चित्रकूट। अधिकारियो की बैठक लेते एडीएम नमामि गंगे स्वप्निल कुमार

चित्रकूट। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जनपद में संचालित पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक स्वप्निल कुमार अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) की अध्यक्षता में कार्यालय मे संपन्न हुई।

बैठक में उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता (सिविल एवं विद्युत/यांत्रिक), सहायक अभियंता, अवर अभियंता, एलएंडटी एवं जीवीपीआर के प्रोजेक्ट मैनेजर तथा रेट्रोफिटिंग कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में चांदी बांगर ग्राम समूह पेयजल योजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान बताया कि पर्याप्त मैनपावर उपलब्ध न होने के कारण योजना के अवशेष कार्यों की प्रगति धीमी है। योजना के अंतर्गत कुल 286 ग्रामों के सापेक्ष वर्तमान में 247 ग्रामों में पेयजल आपूर्ति प्रारंभ हो चुकी है, जबकि 39 ग्रामों में पेयजल आपूर्ति प्रारंभ किया जाना शेष है। अपर जिलाधिकारी ने एलएंडटी प्रोजेक्ट मैनेजर को पर्याप्त मैनपावर एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराते हुए योजना के समस्त अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा शेष 39 ग्रामों में नियमित पेयजल आपूर्ति करने के निर्देश दिए। जीवीपीआर की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया कि योजना के अंतर्गत कुल 69 ग्रामों के सापेक्ष 66 ग्रामों में पेयजल आपूर्ति प्रारंभ हो चुकी है, जबकि 3 ग्रामों में अवशेष कार्य शेष हैं। रेट्रोफिटिंग कार्यदायी संस्थाओं को पर्याप्त मैनपावर एवं आवश्यक संसाधन लगाकर दिसंबर जल प्रमाणीकरण का कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

डीएम की अध्यक्षता मे सोलर वेंडर्स की बैठक संपन्न

लंबित आवेदनो को दो दिन मे निस्तारित करे बैंक



चित्रकूट। सोलर वेंडर्स की बैठक लेते डीएम पुलकित गर्ग

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा बैठक आहूत की गई। परियोजना अधिकारी नेडा ने बताया कि अभी तक जनपद में कुल 2369 घरेलू रूफटॉप सोलर पैनल का इंस्टालेशन किए गए हैं। 10 किलोवाट तक के पैनल में अधिकतम एक लाख आठ हजार की सब्सिडी सरकार द्वारों दी जाती है। बैठक में योजना की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। बैंकर्स, विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं वेंडर्स को अपेक्षित प्रगति लाने के लिये आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये। विभिन्न बैंक शाखाओं में लंबित आवेदनों को दो दिन में निस्तारित करने और डिफॉल्टर बैंक शाखाओं के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश दिये गये। विद्युत विभाग में नाम संशोधन के आवेदनों को त्वरित निस्तारण, निरीक्षण को ससमय पूर्ण करने तथा नेट मीटरिंग और बिलिंग को यथाशीघ्र करवाई करने के निर्देह दिए गए। वेंडर्स को निर्देशित किया कि उनके द्वारा इंस्टालेशन अपलोड तुरंत किया जाए साथ ही बैंकर्स और विद्युत विभाग में लंबित प्रकरणों को प्रभावी पैरवी कर कार्यवाही करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी महोदय डीपी पाल, अधिशाषी अभियंता विद्युत, विभिन्न बैंक शाखा प्रबंधक वेंडर्स एवं परियोजना अधिकारी नेडा उपस्थित रहे।

शिविर लगाकर किया स्वास्थ्य परीक्षण, बांटी दवाये

चित्रकूट। जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी के निर्देशन मे विगत 10 दिन (17 से 26 नवंबर) के मध्य जनपद मे विभिन्न स्थानो पर निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। शिविर मे नागरिको का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क होम्योपैथिक औषधि का वितरण किया। संक्रामक रोगों से बचाव, स्वच्छता एवं स्वस्थ्य जीवन शैली के प्रति जागरूक किया गया। चिकित्सको द्वारा शिविर मे कुल 902 नागरिको का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

संविधान हमारा गौरव और लोकतंत्र हमारी शक्ति : सांसद अनुराग शर्मा

■ संविधान हमारा गौरव और लोकतंत्र हमारी शक्ति: सांसद संविधान के मूल्यों को जीवन में अपनाने का किया आह्वान





झांसी जयूसं। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी में संविधान गौरव दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झाँसी-ललितपुर के सांसद अनुराग शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय में देश के 28 राज्यों से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। विद्यार्थी देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि भावी नेतृत्वकर्ता भी हैं।

उन्होंने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा और 140 करोड़ लोगों तक प्रतिदिन भोजन पहुँचाने में कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विद्यार्थियों और कृषि संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। हरित क्रांति से लेकर आज दुर्गम एवं बर्फीले क्षेत्रों में भी सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित करने तक कृषि क्षेत्र ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का उपयोग किसान और राष्ट्र के कल्याण के लिए करना चाहिए।

संविधान देश कोदिशा देने वाला सर्वोच्च मार्गदर्शक : कुलपति

कुलपति प्रो. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि संविधान देश को दिशा देने वाला सर्वोच्च मार्गदर्शक दस्तावेज है। इसकी मूल भावना में सभी नागरिकों को समान अवसर, सम्मान और न्याय प्रदान करना निहित है। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश को एक सूत्र में बाँधने की शक्ति संविधान में है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे संविधान के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्रके मान-सम्मान और उन्नति के लिए कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करें। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी किया। इस अवसर पर निदेशक शिक्षा डॉ. अनिल कुमार आदि ने विचार व्यक्त किए।

कुलपति ने मुख्य अतिथि सांसद अनुराग शर्मा का शॉल एवं विश्वविद्यालय के उत्पाद, स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षक, विद्यार्थी तथा शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ. अर्तिका सिंह ने संचालन एवं सभी का आभार व्यक्त किया।

भारतीय संविधान लोकतंत्र की आधारशिला : मण्डलायुक्त

मण्डलायुक्त ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर दिलायी सामूहिक शपथ



झांसी जयूसं। संविधान दिवस के अवसर पर मण्डलायुक्त कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों की उपस्थिति में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन आयुक्त सभागार में किया गया।

संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए मण्डलायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ सामूहिक शपथ ली कि, च्हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए सत्यनिष्ठा से दृढ़संकल्प होकर अपनी संविधान सभा में तारीख 26 नम्बर 1949 ईसवीं को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

संविधान दिवस के अवसर पर मण्डलायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व के आदर्शों को आत्मसात करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

इस अवसर पर अपर आयुक्त न्यायिक प्रियंका सिंह , प्रशासनिक अधिकारी जसवन्त चौरसिया, वैयक्तिक सहायक फिरोजा, पेशकार नईम, एओ मो. रहीस, टैक्नीशियन गौरव, चन्दा विश्वकर्मा, काजल तिवारी, मनीष, राजकुमार सहित आयुक्त कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर विकसित भारत युवा संवाद में गूंजी लोकतंत्र की आवाज



झांसी जयूसं। संविधान दिवस के अवसर पर युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना, संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मेरा युवा भारत झांसी द्वारा स्वामी विवेकानंद लॉ कॉलेज, प्रेमनगर स्थित सभागार में विकसित भारत युवा संवाद-संविधान दिवस संस्करण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं की ऊर्जा, विचारशीलता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का प्रेरणादायी संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित यूथ आइकॉन विवेक गोस्वामी, विशिष्ट अतिथि जिला युवा अधिकारी विशाल सिंह तथा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सिद्धार्थ कुमार ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी विशाल सिंह ने मेरा युवा भारत एवं विकसित भारत की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश के सामाजिक एवं राष्ट्रीय विकास में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और सकारात्मक सोच का उपयोग राष्ट्रहित में करने का आह्वान किया। यूथ आइकॉन विवेक गोस्वामी ने विकसित भारत 2047 विषय पर प्रभावशाली प्रस्तुति देते हुए संविधान के महत्व, लोकतांत्रिक अधिकारों एवं नागरिक कर्तव्यों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जागरूक नागरिकों में निहित है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत और अधिक उत्तरदायी बन सकती है। इसके उपरांत महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सिद्धार्थ कुमार ने उपस्थित जनसमूह को शपथ दिलाई। इस अवसर पर हिमानी आर्य, राधा कुशवाहा, रक्षा शर्मा एवं सृष्टि प्रजापति ने भी कार्यक्रम के विषय में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का औपचारिक समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. ज्योति गुप्ता, श्रीमती किरन परिहार सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भूपेंद्र आर्य नेतथा अंत में अंकित श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

विद्यार्थियों को मौलिक अधिकारों, संवैधानिक कर्तव्यों व नि:शुल्क विधिक सहायता के प्रति किया जागरूक

सेंट कोलंबस एवं आर्मी पब्लिक स्कूल में विधिक साक्षरता कार्यक्रम सम्पन्न



झांसी जयूसं। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती कमलेश कच्छल के कुशल मार्गदर्शन में संचालित 'संविधान संवाद' जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद के सेंट कोलंबस स्कूल एवं आर्मी पब्लिक स्कूल, झांसी में विधिक साक्षरता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान की महत्ता, मौलिक अधिकारों एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति समझ विकसित करना तथा उन्हें जागरूक, जिम्मेदार एवं कानून का सम्मान करने वाला नागरिक बनाना रहा।

सेंट कोलंबस स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में अपर सिविल जज (जू.डि.) श्रीमती प्रेरणा यादव उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की महत्ता बताते हुए कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता एवं गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल दीपक मणि ने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकगणों को भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठ कराया। साथ ही प्राधिकरण द्वारा संचालित नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा हेल्पलाइन नंबर 15100 की उपयोगिता के संबंध में जानकारी दी।

इस अवसर पर प्राधिकरण के पराविधिक स्वयंसेवक कल्पनाथ सिंह सहित शिक्षकगण देवेंद्र प्रताप, सुश्री अर्चना पाल, जय हिंद यादव, सुश्री कविता मिश्रा, ऋषभ शर्मा, अंकुश यादव, सुश्री गौसिया बानो, विष्णुकांत शर्मा तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशक अब्दुल शाहिद एवं प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति गोस्वामी ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसी क्रम में आर्मी पब्लिक स्कूल, झांसी में आयोजित 'संविधान संवाद' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती खुशबू धनखड़ उपस्थित रहीं। उनके साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल अजितेंद्र तिवारी एवं रिसोर्स पर्सन सचिन जैन भी मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि श्रीमती खुशबू धनखड़ ने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की मूल भावना, मौलिक अधिकारों एवं नागरिक कर्तव्यों की जानकारी देते हुए कानून एवं नियमों का पालन करने तथा समाज का जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर प्राधिकरण के पराविधिक स्वयंसेवक रमजान खान तथा विद्यालय की ओर से कोऑर्डिनेटर श्रीमती रीना शुक्ला, शिक्षकगण सौरभ कुमार, जितेंद्र एवं रोहित कंचन सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

झाँसी मंडल में संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठ आयोजित

झाँसी जयूसं। उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी मंडल मेंसंविधान दिवस के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठ कराया। कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक ने संविधान की उद्देशिका के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। यह प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता के मूल्यों के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने सभी रेलकर्मियों से संविधान में निहित आदर्शों एवं मूल्यों को अपने कार्य एवं व्यवहार में अपनाने तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ करने का आह्वान किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक/इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रेम प्रकाश शर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन श्री नंदीश शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. के.एस. मिश्रा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अतुल यादव, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा,वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधकडी.के. मीणा, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक सत्य साधन सिंह, वरिष्ठ मंडल संगक्षा अधिकारी गिरीश कंचन, सहायक सुरक्षा आयुक्त के.एल. तिवारी, जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह ,सहायक कार्मिक अधिकारी/कल्याण आदेश कुमार मिश्रा एवं सहायक कार्मिक अधिकारी/संरक्षा ए.के. मीणा,सहायक अभियंता/विद्युत अनिरुद्ध शुक्ला सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संविधान गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर भाजपा ने किया दीप दान

झाँसी जयूसं। संविधान गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर भारत रत्न डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धा और सम्मान के साथ दीपदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों, गणमान्य नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर संविधान के मूल्यों एवं बाबा साहब के योगदान को नमन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह तथा प्राचार्य डॉ. एस. के. राय की उपस्थिति रही। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक रानू देवलिया -एडवोकेट, संजीव अग्रवाल, विनीत खटिक, संतराम पेंटर, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष अमित खटीक, पुरुकेश अमरया, अनुराग अहिरवार, अनुराग पाखरे और सुनील पाल सहित कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने शामिल होकर दीपदान किया। कार्यक्रम का संचालन व आभार जिला उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक रानू देवलिया -एड ने व्यक्त किया।

डॉ. बी.आर. आंबेडकर मूर्ति विकास योजना के अंतर्गत जनपद के 40 स्थलों पर मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास एवं भूमि पूजन



झांसी जयूसं। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित डॉ. बी.आर. आंबेडकर मूर्ति विकास योजना के अंतर्गत जनपद झांसी की चारों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 40 स्थलों पर माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा शिलान्यास एवं भूमि पूजन कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर जनपद की प्रत्येक विधानसभा मेंविधायकगण द्वारा एक-एक चयनित स्थल पर स्वयं उपस्थित रहकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया तथा भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इसी क्रम में झांसी नगर निगम क्षेत्र के कचहरी चौराहा स्थित डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर विधान परिषद सदस्य रामतीर्थ सिंघल ने माल्यार्पण कर भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न कराया। इस अवसर पर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड, जिला समाज कल्याण अधिकारी ललिता यादव, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हमें भारत के संविधान पर गर्व है और सभी को गर्व होना चाहिए : अपर जिलाधिकारी न्याय

हर प्राणी को समभाव, न्याय, स्वतंत्रता और समता दिलाता है संविधान : एडीएम नमामि गंगे



झाँसी जयूसं। कलैक्ट्रेट नवीन सभागार में शासनादेश के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री अरुण कुमार गोंड की अध्यक्षता में संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान संविधान दिवस 26 नवम्बर 2026 के अवसर पर संविधान की उद्देशिका पाठन कार्यक्रम लोक भवन सभागार, लखनऊ में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जिसका लाईव प्रसारण कार्यक्रम अपर जिलाधिकारी न्याय अरुण कुमार गोंड की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में देखा गया। लाईव प्रसारण के उपरान्त अपर जिलाधिकारी न्याय सहित कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा डॉ.भीमराव अम्बेडकर की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी।

अपर जिलाधिकारी न्याय अरुण कुमार गोंड द्वारा संविधान की उद्देशिका पाठन किया गया जिसमें उन्होने कहा कि हम, भारत के लोग, भारत को एक सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई0 (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् 2006 विक्रम) को एतद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। इसके उपरान्त अपर जिलाधिकारी न्याय अपर जिलाधिकारी नमामी गंगे द्वारा सभी अधिकारियों सहित कलैक्ट्रेट परिवार के सदस्यों को शपथ दिलाई गयी, जिसमें शपथ ली । देश की संप्रभुता अखण्डता की रक्षा करेंगे। महिलाओं का सम्मान करेंगे। हिंसा से दूर रहकर बंधुता बढ़ाएगें। सामाजिक संस्कृति का संवर्द्धन व पर्यावरण का संरक्षण करेंगे। वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करेंगे। सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करेंगे। व्यक्तिगत व सामूहिक गतिविधि में उत्कृष्टता बढ़ाएगें। सबको शिक्षा के अवसर प्रदान करेंगे एवं स्वतंत्रता आन्दोलन के आदर्शों को बढ़ावा देंगे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने संविधान को बनाने के समय पर प्रकाश डालते हुए अनेक जानकारी दी कि किस प्रकार व कितनी गम्भीर परिस्थितयां होने पर भी डॉ.भीमराव अम्बेडकर की अध्यक्षता व समिति के सदस्यों द्वारा श्रेष्ठ, स्वतंत्र, निष्पक्ष संविधान को बनाने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि हमें भारत के संविधान पर गर्व है और सभी को गर्व होना भी चाहिए। संविधान की उद्देशिका, भारत के संविधान की आत्मा है। इसके शब्दों में पूर्ण संविधान का सार है। अपर जिलाधिकारी न्याय द्वारा संविधान की उद्देशिका के प्रत्येक शब्द का वर्णन करते हुए बहुत ही बारिकी और गम्भीरता से समझाया गया। उन्होने कहा कि संविधान हर प्राणी के लिए समभाव रखता है। सभी को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय दिलाता है। सभी को अपने विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। सभी को अवसर और प्रतिष्ठा की समता देता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने संविधान पर गर्व है और मैं आप सभी को संविधान दिवस की हार्दिक बधाई देता हूँ। कार्यक्रम में एडीएम नमानी गंगेयोगेन्द्र कुमार, सीटीओ प्रदीप कुमार मिश्रा, अपर नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार, डीपीओ सुरेन्द्र पटेल, ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर आकाश रंजन एवं प्रशासनिक अधिकारी ने भी संविधान दिवस के अवसर पर अपने उद्गार उपस्थित अधिकारियों और कलैक्ट्रेट परिवार के सदस्यों के समक्ष व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन सदाकांत ने किया। इस अवसर पर नायब नाजिर श्रीमती प्रीति वर्मा सहित कलेक्ट्रेट परिवार के सभी सदस्य, अधिकारी,कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा की सरकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों व उनके आदर्शों को लेकर आगे बढ़ रही : पवन गौतम



झांसी जयूसं। भारतीय जनता पार्टी जिला झांसी के तत्वावधान में गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय पर संविधान गौरव दिवस मनाया गया। कार्यक्रम जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर भारतीय संविधान के महत्व, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान तथा उनके विचारों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने संविधान के मूल्यों को अपनाने और समाज में समानता एवं सामाजिक समरसता बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। यह दिन देश के लोकतांत्रिक इतिहास में विशेष महत्व रखता है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का अधिकार प्रदान करता है। संविधान ने देश के सभी नागरिकों को समान अधिकार देते हुए एक मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव रखी है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों और उनके आदर्शों को लेकर आगे बढ़ रही है। बाबा साहब ने समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनके विचार आज भी सामाजिक समानता और न्याय की दिशा में मार्गदर्शन करते हैं। भाजपा सरकार द्वारा दलित समाज के उत्थान, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। पवन गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर को उचित सम्मान देने का कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री ने बाबा साहब के जीवन और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित कराया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने कहा कि भारतीय संविधान देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजबूत आधार है। संविधान निर्माताओं ने देश के प्रत्येक नागरिक के अधिकारों और हितों को ध्यान में रखकर संविधान का निर्माण किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री डॉ. अनिल राज, यशोदा कुशवाहा, चंचल कंठरिया, यज्ञेश यादव, उदय लुहारी, दीपक त्रिपाठी, मनीष कोरी,कृष्णचंद्र तिवारी, प्रथम कनौजिया, अंकित शिवहरे,जय प्रकाश पाल, अशोक कुमार, रविकांत आर्य, नगेंद्र प्रताप, आदि उपस्थित रहे। संचालन जिला महामंत्री बद्री त्रिपाठी ने किया।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी